वैशाख शुक्ल पक्ष-13, 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-07, अंक - 334 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
20 मई 2024 सोमवार

आज का मौसम
42 अधिकतम
27 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page- 7

काफिले के बाकी दो हेलिकॉप्टर सुरक्षित

ईरान के राष्ट्रपति, विदेश मंत्री की हेलिकॉप्टर हादसे में मौत

नई दिल्ली/तेहरान एजेंसी, एजेंसी।

ईरान के हेलिकॉप्टर हादसे को लेकर चौबीस घंटे बाद सामने आया है कि इसमें ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी (63 वर्ष) की मौत हो गई है। एक ईरानी अधिकारी के हवाले से कहा गया है कि रेस्क्यू टीमों ने दुर्घटनाग्रस्त हेलिकॉप्टर के मलबे का पता लगा लिया है। इस हादसे में राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी के अलावा ईरान के विदेश मंत्री हुसैन अमीर अब्दुल्लाहियन, पूर्वी अजरबैजान प्रांत के गवर्नर मालेक रहमती और धार्मिक नेता मोहम्मद अली आले-हाशेम की भी मौत हो गई है। सभी लोग एक ही हेलिकॉप्टर में सवार थे। ईरान के प्रेस टीवी ने एक्स पोस्ट में लिखा, 'बचाव दल ने राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी के दुर्घटनाग्रस्त हेलिकॉप्टर की पहचान कर ली है। किसी भी जीवित व्यक्ति का कोई सुराग नहीं मिला है।' खास बात यह कि हाल में रईसी की नीतियों के कारण ही ईरान युध्द के कगार पर आ खडा हुआ था।

बताया जाता है कि राष्ट्रपति के काफिले में तीन हेलिकॉप्टर शामिल थे, जिनमें से दो तो सुरक्षित लौट आए, लेकिन वह हेलिकॉप्टर वापस नहीं लौटा जिसमें इब्राहिम रईसी समेत अन्य सवार थे। दरअसल पूर्वी अजरबैजान प्रांत के पहाड़ी इलाके में क्रैश हुए हेलिकॉप्टर के मलबे तक पहुंचने के लिए बचाव दल रातभर बर्फीले तूफान के बीच संघर्ष करते रहे।

सबसे सुरक्षित हेलिकॉप्टर पर थे सवार

ईरानी राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी अमेरिका मेड बेल 212 हेलिकॉप्टर में सवार थे। ये हेलिकॉप्टर बेल 212 टेक्सट्रॉन इंक द्वारा निर्मित है। बेल टेक्सट्रॉन इंक अमेरिकी एयरोस्पेस निर्माता है। ये 15 सीटों वाला हेलिकॉप्टर था। बेल 212 हेलिकॉप्टर पहली बार 1960 के दशक में अस्तित्व में आया था। पहले की तुलना में बेल 212 हेलिकॉप्टर शक्तिशाली और विश्वसनीय माना जाता है।

ईरान का कसाई कहा जाता था रईसी को

ईरान में इब्राहिम रईसी को अति-रूढ़िवादी नेता के रूप में जाना जाता रहा और उन्हें 'तेहरान का कसाई' तक भी कहा जाता था। ईरान में साल 1988 में राजनीतिक विरोधियों के सफाए के लिए एक 4 सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया था। इन सदस्यों में इब्राहिम रईसी भी शामिल थे। इस कमेटी को ईरान में अनौपचारिक रूप से 'डेथ कमेटी' कहा जाता है। 5 माह तक राजनीतिक कैदियों को फांसी देने का सिलसिला चला। एक अनुमान के मुताबिक, इस दौरान करीब 3000 से ज्यादा राजनीतिक विरोधियों को फांसी पर लटका दिया गया था।

पांचवे चरण में जारी है 49 सीटों पर वोटिंग, महाराष्ट्र में सबसे कम

कई दिग्गजों की सीट पर मतदान निगाहें मतदाताओं के मिजाज पर

नई दिल्ली , एजेंसी।

लोकसभा चुनाव का आज पांचवा चरण है और 8 राज्यों केंद्रशासित प्रदेश की कुल 49 सीटों पर मतदान जारी है। दोपहर एक बजे तक इन सभी राज्यों में औसतन चालीस फीसद के आसपास मतदान की खबरें हैं। आज का चरण इसलिये भी अहम है क्योंकि इसमें केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, स्मृति ईरानी, पीयूष गोयल और राहुल गांधी जैसे दिग्गज नेताओं के भाग्य का फैसला ईवीएम में कैद हो रहा है। इसी बीच राजनीतिक पार्टियों ने छठे और सातवें चरण के लिए अपना-अपना प्रचार अभियान की जारी रखा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिवसीय ओडिशा के दौरे पर हैं और सुबह सुबह ही उन्होंने भगवान जगन्नाथ मंदिर में दर्शन करने के बाद तीर्थनगरी में रोड शो किया है। यहां से संबित पात्रा भाजपा उम्मीदवार हैं। इसके बाद पीएम ओडिशा के ढेंकानाल और कटक में चुनावी जनसभा को संबोधित करेंगे। छठे चरण में 15 मई को दिल्ली की सीटों पर मतदान कराया जाएगा,ताजा राजनीतिक हालातों के चलते कांग्रेस,भाजपा और आप के लिये दिल्ली की सीटें बहुत प्रतिष्ठा का प्रश्न हैं।

आठ राज्यों में दोपहर तक वोटिंग

बिहार :	41 फीसदी	महाराष्ट्र :	31 फीसदी
जम्मू कश्मीर :	34.37 फीसदी	ओडिशा :	38 फीसदी
झारखंड :	42.8 फीसदी	उत्तर प्रदेश :	44 फीसदी
लद्दाख :	37.77 फीसदी	पश्चिम बंगाल :	45 फीसदी

कांग्रेस उम्मीदवारों से पूछे हालात, नाथ पहुंचे, दिग्विजय-नकुल जूम से जुड़े

भोपाल। मप्र में कांग्रेस के लोकसभा उम्मीदवारों के साथ आज प्रभारी महासचिव जितेंद्र सिंह ने लंबी चर्चा की और उम्मीदवारों से चुनाव व आगामी स्थितियों का फीडबैक लिया। खास बात यह है कि कमलनाथ लंबे समय बाद पीसीसी पहुंचे। वे छिंदवाडा चुनाव में बेटे के प्रचार आदि के बाद मप्र से बाहर चले गये थे। उनकी भी जितेंद्र सिंह के साथ लंबी चर्चा हुई। वहीं राजगढ से उममीदवार व पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह व छिंदवाडा प्रत्याशी नकुलनाथ जूम से बैठक में जुडे और अपनी बात रखी। बताया जाता है कि पार्टी अपने उम्मीदवारों को मतगणना के दौरान सतर्क रहने के साथ ही जीत हार के आकलन की कोशिश में है। बैठक में अध्यक्ष जीतू पटवारी,अजय सिंह समेत कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

चौथे दौर में बढा, इस बार क्या होगा?

लोकसभा चुनाव के पांचवें दौर के लिए आज 695 उम्मीदवार मैदान में हैं। पांचवें दौर में सबसे ज्यादा 14 सीटें उत्तर प्रदेश की हैं जबकि सबसे कम जम्मू कश्मीर और लद्दाख की एक-एक सीट पर मतदाता वोट डाल रहे हैं। आज जिन 49 सीटों पर मतदान हो रहा है उनमें 2019 में कुल 62.01 फीसदी मतदान हुआ था। पहले चार चरणों में कुल 66.95 प्रतिशत मतदान हुआ है। अब तक के चुनावों में मत प्रतिशत चर्चा का बड़ा विषय रहा है। विपक्ष ने चुनाव आयोग पर देरी से वोटिंग के आंकड़े देने का आरोप लगाया जिसका आयोग ने खंडन किया है। वहीं सत्ता पक्ष ने कहा कि विपक्ष ने पहले ही हार मान ली है। मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए चुनाव आयोग ने कई तरह के अभियान चलाए जिसका असर इस बार चौथे चरण के मतदान में भी दिखा। इस तरह से पहले चार चरणों में कुल 66.95 प्रतिशत मतदान हुआ है।

एटा में आठ बार मतदान करने वाले को पकडा

उत्तर प्रदेश के एटा में एक युवक के 8 बार मतदान करने के दावे के बाद अब संबंधित पोलिंग बूथ पर दोबारा मतदान कराया जाएगा। इस बीच मतदान करने वाले शख्स को गिरफ्तार कर लिया गया है। पोलिंग पार्टी के सभी सदस्यों को सस्पेंड कर दिया गया है। दरअसल, एटा के इस मतदान केंद्र पर एक व्यक्ति ने दावा किया था कि उसने 8 बार वोटिंग की है. उसने इसका वीडियो भी बनाया था, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. इसे कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सपा चीफ अखिलेश यादव ने भी शेयर किया है।

भीषण गर्मी का दौर: मप्र में ऑरेंज, कई राज्यों में रेड अलर्ट

तप रहे उत्तर भारत के राज्य, पारे की रफ्तार तेज

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अब भोपाल से लेकर दिल्ली तक भीषण गमी का दौर है। कल भोपल में पारा 43 डिग्री पर पहुंचने के बाद आज भी सूरज के तेवर तीखे हैं लेकिन आज अधिकतम 41 डिग्री तक ही पहुंचने के आसार हैं। वहीं दिल्ली समेत कई राज्यों में गर्मी चरम पर है. मौसमी पारा कई जगह पर पहले ही 45 के पार हो चुका है। अब दिल्ली का पारा 47 डिग्री के पार पहुंच रहा है। आईएमडी का अनुमान है कि अगले एक हफ्ते तक दिल्ली में लू का दौर जारी रह सकता है। इसके अलावा दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, पंजाब और हरियाणा में गर्मी को लेकर रेड अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, उत्तरी मध्य प्रदेश में भी

ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

इस भीषण गर्मी से बचने के लिए लोग तरह तरह के जतन कर रहे हैं। ऐसी ही गर्मी राजस्थान में भी पड़ रही है, जहां कई इलाकों में तो पारा 46 डिग्री के पार पहुंच चुका है और इस प्रचंड गर्मी से जंगलों में आग लग रही है। उत्तराखंड के बाद अब राजस्थान के जंगलों में भी गर्मी का रौद्र रूप देखा जा सकता है। हालांकि देश की राजधानी दिल्ली बीकानेर, बाड़मेर, जोधपुर, कोटा और गंगानगर से भी अधिक गर्म है।

नक्सली मुठभेड में जवान के गले में गोली धंसी

गरियाबंद, एजेंसी।

नक्सल ऑपरेशन पर निकले सुरक्षा बल के जवान के गले में गोली लग गई। उसे इलाज के लिए सुबह जिला अस्पताल लाया गया जहां से प्रारंभिक इलाज के बाद रायपुर रेफर कर दिया गया। सूत्रों की माने तो अभी भी उड़ीसा की बॉर्डर के शिव नारायणपुर जंगल में नक्सलियों और सुरक्षाबलों के बीच रुक-रुक कर फायरिंग हो रही है। बीती रात सर्चिंग के लिए उड़ीसा की एसओजी की दो टीम जंगल की ओर निकली थी। फिलहाल जवान की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। जवान का नाम प्रकाश साई बताया जा रहा है।

महिला ने बच्चों संग जहर पिया, मौत

उज्जैन, एजेंसी।

देर रात चिमनगंज थाना क्षेत्र में महिला ने अपने दो बच्चों के साथ जहर खा लिया। इसमें महिला की मौत हो गई, जबकि उसके बच्चों को गंभीर हालत में उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।। महिला नीमच के मनासा की रहने वाली है। उज्जैन में भी रतन एवेन्यू में उसका मकान है। जहां सास व दो बच्चों के साथ पहुंची थी। जहर खाने के बाद महिला के पुत्र ने ही पिता व स्वजन को फोन कर इसकी जानकारी दी। चिमनगंज पुलिस ने बताया कि सीमा पत्नी कमल त्रिवेदी निवा अपनी सास व दो बच्चे माही उम्र 10 वर्ष व अक्षत उम्र 13 वर्ष के साथ उज्जैन आई थी। उसने खेत में अपने बच्चों को बेसुध देखा तो पास पड़ी कीटनाशक पी ली। बाद में अक्षत ने अपने पिता कमल व स्वजन को फोन कर जहरीला पदार्थ खाने की सूचना दी। बच्चों की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है।

मेट्रो एंकर

यह राशि पूरे 2019 के आम चुनाव की अवधि के दौरान की गई कुल बरामदगी से ढाई गुना से अधिक

चुनाव में कैश प्रवाह..गुजरात जब्ती में अव्वल, रसायन में कर्नाटक

नई दिल्ली , एजेंसी।

लोकसभा चुनाव की तारीखों के ऐलान के बाद से अब तक प्रवर्तन एजेंसियों ने देश भर से लगभग 9,000 करोड़ रुपये की नकदी, शराब, ड्रग्स, कीमती धातुएं और 'मुफ्त उपहार' जब्त किए हैं। यह राशि पूरे 2019 के आम चुनाव की अवधि के दौरान की गई कुल बरामदगी से ढाई गुना से अधिक है। यानि तय ही है कि अगले दो हफ्तों में मतदान के तीन और दौर होने के कारण, इस आम चुनाव के दौरान बरामदगी की कुल संख्या बढ़ेगी। आयोग के आंकड़ों बता रहे हैं कि कुल 8,889 करोड़ रुपये की बरामदगी में से, ड्रग्स और नशीले पदार्थों की संख्या लगभग 45 प्रतिशत थी, इसके बाद 23 प्रतिशत पर 'मुफ्त उपहार' और 14 प्रतिशत पर कीमती धातुएं थीं। इन एजेंसियों ने 849 करोड़ रुपये नकद और 815 करोड़ रुपये की लगभग 5.4 करोड़ लीटर शराब भी जब्त की है।

इन सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में, गुजरात में मूल्य के संदर्भ में जब्ती अधिकतम लगभग 1,462 करोड़ रुपये थी, मुख्य रूप से गुजरात एटीएस, नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो और भारतीय तटरक्षक बल द्वारा हाल ही में किए गए संयुक्त अभियान के कारण, जिसके कारण 892 करोड़ रुपये मूल्य के ड्रग्स की तीन उच्च मूल्य की बरामदगी हुई। राजस्थान उस सूची में दूसरे स्थान पर है जहां प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा लगभग 757 करोड़ रुपये के अधिकतम 'मुफ्त उपहार' जब्त किए गए थे। चुनाव आयोग ने कहा कि इन चुनावों में मादक पदार्थों के खिलाफ ऐक्शन भी हुए हैं। गुजरात के अलावा, महाराष्ट्र और दिल्ली में भी ड्रग्स की जब्ती की सूचना मिली है। 17 अप्रैल को पुलिस ने ग्रेटर नोएडा में एक ड्रग फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया था, जहां से 150 करोड़ रुपये मूल्य का 26.7 किलोग्राम एमडीएमए जब्त किया गया था और दो विदेशियों को गिरफ्तार किया गया था। 2019 के संसदीय चुनावों की कुल जब्ती के बड़े अंतर को भी पार कर गई है। आयोग के अनुसार, आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि जो राज्य और केंद्र शासित प्रदेश ट्रांजिट जोन हुआ करते थे, अब वे तेजी से 'उपभोग क्षेत्र' बन रहे हैं।

शराब की जब्ती में कर्नाटक नंबर वन

शराब की अवैध आवाजाही के मामले में, कर्नाटक लगभग 1.5 करोड़ लीटर शराब जब्त करने के साथ सूची में सबसे ऊपर है, इसके बाद महाराष्ट्र है। यहां करीब 62 लाख लीटर शराब जब्त की गई। नकदी की जब्ती के मामले में तेलंगाना 114 करोड़ रुपये के साथ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में सबसे आगे है

आज का कार्टून

108 एंबुलेंस सेवा : 60 से अधिक की निःशुल्क जांच, प्राथमिक उपचार का दिया प्रशिक्षण

भोपाल। 108 एंबुलेंस सेवा मप्र के द्वारा लोगों को जागरूक करने के लिए प्रदेशभर में जांच व जागरूकता शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में राजधानी के कटारा हिल्स स्थित ग्लोबल पार्क सिटी में जांच व जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। 108 एंबुलेंस सेवा मप्र के सीनियर मैनेजर तरूण सिंह परिहार ने अपनी टीम के साथ शिविर स्थल पर पहुंचकर लोगों को प्राथमिक उपचार करने का प्रशिक्षण देने, 108 एंबुलेंस सेवा मप्र की जानकारी देने के साथ ही हेल्थ चेकअप किया। 60 से अधिक लोगों का निःशुल्क बीपी चेकअप, शुगर चेकअप एवं पल्स चेकअप किया गया। लोगों को लगना, काटना, जलना, चेस्ट पैन, करेंट लगना, सांप या किसी अन्य की? द्वारा काटना, सीपीआर देना एवं अन्य प्रकार की आपातकालीन स्थिति में एंबुलेंस आने तक किस प्रकार से मरीज की सेवा करनी है इसकी जानकारी दी गई।

झुलसा देने वाली गर्मी...

भोपाल. भोपाल गर्म हवाओं से तप रहा है और धूप उसे झुलसा रही है। यहां कई इलाकों में पारा 43 डिग्री के पार कर गया है। चिलचिलाती धूप ने लोगों को बेहाल कर दिया है।

राज्य स्तरीय वन मेले का मामला

वन मेले में सेवाएं ली, 4 हजार देने की बारी आई तो अधिकारी एक-दूसरे पर टाल रहे

450 से अधिक कर्मचारियों की लगाई थी ड्यूटी, प्रति कर्मचारी को मिलने हैं 4 हजार रुपये

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी में हुए राज्य स्तरीय वन मेले में जिन कर्मचारियों से वन विभाग के अधिकारियों ने काम कराया है, अब उन कर्मचारियों को भुगतान नहीं किया जा रहा है। अधिकारी एक-दूसरे पर टाल रहे हैं। इन कर्मचारियों की संख्या 450 से अधिक है, प्रत्येक को 4 हजार रुपये का भुगतान करना था। मेले 24 से 28 जनवरी तक भोपाल हाट में चला था। वैसे तो मेले में स्टॉल बनाना, साफ-सफाई, पेयजल व्यवस्था, प्रदर्शनी समेत अन्य सभी व्यवस्थाएं मजदूरों से कराई गई, तब भी इन कर्मचारियों को लगाया गया। इन्हें बड़े व मुख्य अधिकारियों को रिसीव करने, मेले में देखने और व्यवस्थाओं पर नजर रखनें। पार्किंग व्यवस्था में ठीक से काम चल रहा है या नहीं, इस पर नजर रखनें। मेले में अनाउंसमेंट व्यवस्था संभालने का काम सौंपा था। साथ ही स्टॉलों पर पहुंचने वाल ग्राहकों को वनोत्पाद के बारे में अवगत कराना था, ताकि वन उत्पादों की अधिक से अधिक ब्रांडिंग हो सके।

लघु वनोपज संघ का था मेला

मेला राज्य लघु वनोपज संघ का था। जिसमें भोपाल वन मंडल के कर्मचारियों की सेवाएं ली गई थी। इन्हें विभागीय कामकाज के साथ मेले में भी सेवाएं देनी होती है। अब संघ के एमडी व अन्य अधिकारी भुगतान करने से बचते नजर आ रहे हैं।

कर्मचारी संगठनों के आरोप

पहले से थी भुगतान की व्यवस्था

मप्र वन एवं वन्यप्राणी संरक्षण संघ के प्रदेश अध्यक्ष रामयश मौर्य का कहना है कि भुगतान की व्यवस्था पहले से है जिसे अब कुछ अधिकारी रोक रहे हैं। जबकि अधिकारियों ने मेला खत्म होते ही खुद का सत्कार करा लिया। इसके लिए भोपाल हाट में ही विशेष इंतजाम किए गए थे, जिसमें कई अधिकारियों ने शिरकत की थी। उल्लेखनीय है कि उक्त वन मेले की शुरुआत वन मंत्री नागर सिंह चौहान ने की थी।

अब पानी की टंकियों में लगाए जाएंगे सेंसर, ताकि बर्बादी रोकी जा सके

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

शहर में पानी की बर्बादी रोकने के लिये अब अमृत 2.0 योजना के तहत सभी पानी की टंकियों में सेंसर्स लगाने की तैयारी हो गई है। यह कंट्रोल रूम से आपरेट किए जाएंगे। ऐसा इसलिए किया जाएगा, ताकि टंकियों के भरने के बाद पानी व्यर्थ न बहे। इसके अलावा श्यामला हिल्स जलशोधन संयंत्र पर स्थापित स्काडा सिस्टम से शहर की 161 पानी की टंकियों को जोड़ दिया गया है। इससे जलापूर्ति व्यवस्था के तहत टंकियों के वाटर लेवल, फ्लो प्रेशर आदि की मानीटरिंग एप के जरिये की जा रही है। शहर में 12 जल शोधन संयंत्रों की भी मानीटरिंग स्काडा सिस्टम से हो रही है।

हाल में जब निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायन श्यामला हिल्स स्थित जलशोधन संयंत्र और नियंत्रण कक्ष में स्काडा वाटर सिस्टम का अवलोकन करने पहुंचे तो अफसरों ने उन्हें इस तकनीक और इसके उपयोग को लेकर फीडबैक दिया। इस मौके पर निगमायुक्त ने कहा कि आधुनिक तकनीक युक्त स्काडा सिस्टम के बेहतर संचालन के लिए निरंतर मानीटरिंग करें और उच्च आधुनिक तकनीक युक्त इस सिस्टम के बेहतर क्रियान्वयन के लिए कार्ययोजना को मूर्त रूप दें। उन्होंने उच्च तकनीक के संबंध में कर्मचारियों को प्रशिक्षण की व्यवस्था भी करने के निर्देश दिए। निगम

आयुक्त ने अरेरा हिल्स स्थित नई विधानसभा के पास नर्मदा जलप्रदाय परियोजना के मास्टर बैलेसिंग रिजर्वायर का भी अवलोकन किया और यहां से शहर की टंकियों व अन्य क्षेत्रों में होने वाले जलप्रदाय, लेवल सेंसर एवं स्काडा सिस्टम की कार्यप्रणाली के संबंध में जानकारी प्राप्त की।

संस्कार के समर कैम्प के बच्चों ने सुदर्शन चक्र में की घुड़सवारी

संस्था के पदाधिकारी भी नहीं चूके घुड़सवारी करने से

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

दीपमाला पागारानी संस्कार स्कूल के समर कैंप में स्पोर्ट्स में हिस्सा ले रहे प्रतिभागियों ने सुदर्शन चक्र में घुड़सवारी की। बच्चों को सैन्य क्षेत्र में ले जाया गया।

द्रोणाचल आर्मी के कर्नल नितीश पासी, एवं सुन्दरलाल अहिरवार के मार्गदर्शन में घु?सवारी कराई गई। लेफ्टिनेंट कर्नल प्रेम पीयुष, मेजर पंकज चौहान, आफीसर इंचार्ज राइडिंग क्लब, सब मेजर दिनेश कुमार यादव, नायाब सुबेदार पी.के. झा, जेसीओ इंचार्ज राइडिंग क्लब, हवलदार अहिरवार वरिष्ठ प्रशिक्षक राइडिंग क्लब और उनकी पूरी टीम कुमार अभिषेक, गौतम कुमार, संतोष कुमारएस मंडल के सहयोग से यह गतिविधि कराई गई।

संस्था के अध्यक्ष सुशील वासवानी, सचिव बसंत चेलानी, कोषाध्यक्ष चन्दर नागदेव, कर्नल नारायण पारवानी, प्रधानाचार्या मृदुला गौतम को भी घुड़सवारी करवाई गई। संस्था के सचिव बसंत चेलानी ने कहा कि विद्यालय हमेशा बच्चों के मानसिक विकास के साथ-साथ शारिरिक विकास की ओर भी ध्यान देता रहता है जिस कारण समय-समय पर ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन करता रहता है। संस्था के अध्यक्ष सुशील वासवानी ने कहा कि विद्यालय में विद्यार्थियों को शिक्षा को तो 10 महीने देते है बाकी जो ग्रीष्मकालीन अवकाश का समय है वह भी विद्यालय हमेशा बच्चों के व्यक्तित्व विकास एवं शारिरिक विकास के लिए इस तरह के कार्यक्रमों का अयोजन करके समय का सदुपयोग करता है।

लक्ष्मण नगर रहवासी संघ की बैठक हुई

टी वार्ड में हुई चोरी की घटना पर चिंता

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

लक्ष्मणनगर में विवेकानंद सोसायटी के पदाधिकारियों की मीटिंग जयरामदास रूघानी के निवास पर हुई, जिसमें टी वार्ड में हाल ही में हुई चोरियों पर चिंता जताई गई। कहा गया चोरों का पुलिस पकड़ से दूर होना परेशान करने वाला है। रात के समय पुलिस को सघन गश्त करना चाहिए। टी वार्ड में जिस तरह एक साथ एक ही दिन में तीन घरों में चोरियां हुई हैं, उससे लगता है कोई संगठित गिरोह संतनगर में सक्रिय है।

लक्ष्मण नगर में में नगर निगम की साफ सफाई, लाइट की व्यवस्था पर संतोष जताया गया, हालांकि कम प्रेशर से पानी सप्लाई की समस्या रखी गई। बैठक में एमआईसी सदस्य राजेश हिंगारानी, पार्षद अशोक मारण भी मौजूद थे। इनके अलावा सोसायटी के अध्यक्ष बसंत चेलानी, सचिव के. एल. नागदेव एवं रहवासी श्याम रूघानी, प्रकाश बेलानी, मेंघानी, माधव टेकवानी, प्रकाश जयराम रूघानी, डेटाराम चेलानी, हीरा गोलानी, पुरूषोत्तम टिलवानी, अशोक सावनानी, जी.डी. लालवानी, क्रांन्ति पंजवानी मौजूद रहे।

मेट्रो एंकर

पश्चिम मध्य रेल की महाप्रबंधक ने किया स्टेशन का दौरा

संतनगर स्टेशन पर सेकंड एंट्री बनेगी, स्टेशन रोड के चौड़ीकरण पर विचार

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

अमृत भारत स्टेशन योजना संत हिरदाराम नगर स्टेशन पर चल रहे डेव्हलपमेंट का जायजा लेने पश्चिम मध्य रेल की महाप्रबंधक शोभना बंदोपाध्याय संतनगर आई। जहां विकास कार्यों को लेकर रेल अफसरों से चर्चा की, वहीं सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों की बात सुनी।

महाप्रबंधक ने स्टेशन के अंदर जाने से पहले बाहर लगे डेव्हलपमेंट प्लॉन को बारीकी से समझा। डीआरएम भोपाल मंडल ने देवाशीष त्रिपाठी कहा कि मॉडल स्टेशन के प्रोजेक्ट में हम एक ब्रिज भी तैयार कर रहे है, जो सीधे स्टेशन पर आएगा। वहीं महाप्रबंधक ने बताया कि सड़क को भी चौड़ा करने की प्लॉनिंग है, इसमें शासन और सामाजिक स्तर के पदाधिकारियों की मदद भी ली जाएगी।बताया कि 50 साल बाद यात्रियों की संख्या और सुविधा के हिसाब से प्लान बनाया गया है। करोड़ों रूपये से जहां स्टेशन का कायाकल्प किया जाएगा। वहीं स्टेशन पर हर यात्री सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। मीडिया के सवालों को जवाब देते हुए शोभना बंदोपाध्याय ने माना स्टेशन तक आने वाला मार्ग बेहद संकरा है। इसके चौड़ीकरण पर विचार करने के संकेत दिए। उन्होंने बताया कि स्टेशन पर लोग दो ओर से प्रवेश कर पाएंगे। एक प्रवेश द्वारा पुराना होगा, दूसरा पटरी के उस पार से आने वालों के लिए बनाया जाएगा। एफओबी का एक सिरा भी स्टेशन तक पहुंचने के लिए विचार किया जा रहा है। चूंकि संत हिरदाराम नगर स्टेशन मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल का तीसरा स्टेशन है, इसलिए इसका विकास भी भोपाल, रानी कमलापति स्टेशन की तरह होगा।

पंचायत ने सौंपा जीएम को ज्ञापन रखी यात्रियों की मांगें

यात्री समस्याओं और सुविधाओं को लेकर सिंधी सेन्ट्रल पंचायत के अध्यक्ष चन्द्रप्रकाश इसरानी एवं महासचिव सुरेश जसवानी ने रेलवे के जीएम को ज्ञापन सौंपा। पंचायत ने सेकंड एंट्री की मांग रखी। पंचायत ने कहा कि पटरी पार एयरपोर्ट रोड, सीटीओ, दाता कॉलोनी, कैलाश नगर, मथाई नगर सहित आस पास की अनेक कॉलोनियों में निवास करने वाले दो लाख से अधिक नागरिकों के लिए स्टेशन आने के लिए सेकण्ड एंट्री कैम्प नम्बर 12 से विकसित किया जाना चाहिए। कहा दूर करेंगे समस्याएं जनरल मैनेजर एवं डीआरएम ने पंचायत पदाधिकारियों को भरोसा दिलाया कि जो भी प्रस्ताव व सुझाव का प्रस्ताव बनाकर रेलवे बोर्ड को भेजेंगे एवं उन्हें स्वीकृत करवाएंगे।

यह रखीं मांगें

- प्लेटफार्म दो पर सीहोर से आने वाली ट्रेनों से उतरने वाले यात्रियों के लिए एक्सीलेटर एवं लिफ्ट तथा स्लोप नहीं होने से वृद्धजन, हार्ट पेशेंट एवं विकलांगों को होने वाली परेशानी पर ध्यान केन्द्रित कर इसकी सुविधा तत्काल मुहैया कराने का आग्रह किया।
- स्टेशन पर व्याप्त गन्दगी एवं बदबू के कारण होने वाली परेशानी को दूर करने प्लेटफार्म 3 व चार के लिए मौजूदा फुट ओवर ब्रिज का विस्तार करने, धोबीघाट की तरफ से एक अन्य फुट ओवर ब्रिज बनाया जाए।
- स्वामी हिरदारामजी की स्मृतियों को चिरस्थाई बनाने के लिए निर्माणाधीन स्टेशन पर सेवा संबंधी चित्रों का समावेश करने का भी आग्रह किया।

सीएम ने दिल्ली में कहा- केजरीवाल झूठ के विश्व रिकॉर्ड बना रहे हैं...

भोपाल में कांग्रेस ने उम्मीदवारों से पूछे हाल

दिल्ली, यूपी में भाजपा प्रचार में व्यस्त मोहन और शिवराज

भोपाल, दोपहर मेट्रो। मप्र के मुख्यमंत्री मोहन यादव और पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान इन दिनों भाजपा के लिये तीन राज्यों में प्रचार में व्यस्त हैं। दिल्ली में कमोबेश हर रोज इनकी सभा हो रही हैं। आजकल इनके निशाने पर कांग्रेस के अलावा आम आदमी पार्टी भी है। वहीं भोपाल में आज मप्र कांग्रेस के प्रभारी महासचिव जितेंद्र सिंह ने सभी लोकसभा उम्मीदवारों से चर्चा शुरू की है, वे इनसे चुनाव क्षेत्र का हाल, जीतने की उम्मीद और अन्य पहलूओं पर चर्चा कर रहे हैं। माना जाता है कि प्रत्याशियों के फीडबैक के आधार पर कांग्रेस मतगणना वाले दिन की रणनीति तय करेगी। उम्मीदवारों को भी ईवीएम के जरिये मतगणना को लेकर आवश्यक टिप्स दिये जा रहे हैं।

अन्ना हजारे से विश्वासघात का आरोप

सीएम यादव ने दिल्ली में कहा कि केजरीवाल शुरू से झूठ बोल रहे हैं, अब वह झूठ बोलने का विश्व रिकार्ड बना रहे हैं। पहले तो वह ऑटो में बैठकर आफिस गए, बंगला नहीं लिया, लेकिन यह सब झूठ अब सामने आ चुका है। किस तरह से आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली वालों की भावनाओं के साथ खिलवा? किया है। किस तरह से उन्होंने कुर्सी की खातिर अन्ना हजारे के आंदोलन में शामिल होकर दिल्लीवासियों के साथ विश्वासघात किया है। उन्होंने अन्ना हजारे को भी ठगा है। यह दिल्ली है, जो अब कभी भी केजरीवाल को माफ नहीं करेगी। दिल्ली पहुंचने से पहले मुख्यमंत्री ने रविवार यूपी की तीन सीटों पर चुनाव प्रचार किया। जहां कांग्रेस व अखिलेश यादव को आड़े हाथों लिया। बोले— ये भगवान राम को नहीं मानते, श्रीकृष्ण को नहीं मानते। गीता और गाय से भी इनको दिक्कत है लेकिन ये लोग वोट मांगने जरुर आ जाते हैं। यह काम ये लोग रावण की तरह भेष बदलकर करते हैं। जिस तरह से रावण ने नकली साधु का रूप धारण करके सीता माता का हरण किया था, इसी तरह कांग्रेस व समाजवादी विचारधारा के लोग भी नकली भेष बनाकर वोट मांगने के लिए आ रहे हैं। हम जब भी धर्म की बातें करते हैं तो कांग्रेस और समाजवादियों को सबसे ज्यादा परेशानी होती है।

पूर्व मुख्यमंत्री बोले– नौटंकीवाल हुए केजरीवाल

पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दिल्ली की तीन सीटों पर चुनावी सभाएं की। जिसमें कहा कि आम आदमी पार्टी अब अहंकारी आदमी पार्टी बन गई है और केजरीवाल अब नौटंकीवाल हो गए हैं। केजरीवाल को ये जवाब तो देना चाहिए कि, अगर कोई महिला जो उन्हीं की पार्टी की राज्यसभा सदस्य हैं, आप अहंकार में उनसे ही बात करने से इनकार कर देते हैं। आपके लोग एक बेटी के साथ, एक बहन के साथ दुर्व्यवहार करते हैं ये आश्चर्यचकित कर देने वाली घटना है।

सीएम से गुहार लगाने वाले छह शिक्षकों का निलंबन समाप्त करने की मांग

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ ने छह शिक्षकों का निलंबन समाप्त करने की मांग की है। दरअसल सीएम राइज महात्मा गांधी स्कूल भोपाल के सहायक शिक्षकों ने पद स्थापना एवं अन्य मामलों को लेकर जिला शिक्षा अधिकारी,लोक शिक्षण संचालनालय एवं मंत्री को अपनी समस्या से अवगत कराया था, इसका समाधान न होने पर उनके द्वारा मुख्यमंत्री को अपनी समस्या के लिए गुहार लगाई थी। यह बात शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को नागवार प्रतीत हुई जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा मुख्यमंत्री से शिकायत करना अनुशासनहीनता बताते हुए 6 शिक्षकों को निलंबित कर दिया गया। संघ के सचिव उमाशंकर तिवारी ने कहा है कि न्याय मांगने अपनी समस्याओं के समाधान के लिए अपनी बात मुख्यमंत्री तक रखने गए शिक्षकों को समस्याओं का निराकरण तो नहीं लेकिन निलंबन मिला जो कि न्यायोचित नहीं है। जबकि फरवरी 2024 में ही सुप्रीम कोर्ट ने भी सीधे मुख्यमंत्री को शिकायत करना गलत नहीं बताया है।

ग्यारहवीं में सब्जेक्ट सिलेक्शन के बाद बदलाव नहीं कर सकेंगे स्टूडेंट

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कक्षा ग्यारहवीं में विषय चयन के बाद विद्यार्थी इसमें बदलाव नहीं कर पाएंगे। माध्यमिक शिक्षा मंडल नए सत्र से यह प्रावधान करने जा रहा है। ऐसे में विद्यार्थियों से कहा गया है वे इसमें सावधानी रखें।
प्रदेश से करीब 11 लाख विद्यार्थी दसवीं की परीक्षा में शामिल हुए थे। इसके बाद अब गणित, विज्ञान या आर्ट जैसे विषयों का वे चुनाव करते हैं। बीते सालों में ऐसे कई मामले आए हैं जिनमें विद्यार्थी गणित और विज्ञान विषय को छोड़कर कामर्स और आर्ट का चुनाव कर लेते हैं। इसका असर मंडल द्वारा किए जाने वाले विषयवार नामांकन पर पड़ता है। कई बार सीट भी खाली रह जाती है। इसे देखते हुए पूरी तरह से रोक लगाई जा रही है।

स्कूलों में शिक्षक करेंगे बच्चों की काउंसलिंग: विषय का चुनाव करने के विद्यार्थी स्कूल में ही काउंसलिंग ले सकते हैं। शिक्षकों से कहा गया है कि वे विद्यार्थियों की इस संबंध में मदद करें। स्कूल खुलने के शिक्षक पढ़ाने के साथ ही बच्चों का मार्गदर्शन भी करेंगे। किस विषय में बेहतर कॅरियर है इसके संबंध में अब जानकारी दी जाएगी। जिला शिक्षा अधिकारी अंजनि त्रिपाठी ने बताया कि काउंसलिंग के लिए व्यवस्था रहेगी। बच्चे बेहतर कॅरियर के लिए जानकारी ले सकेंगे।

शुल्क के साथ मिलती है अनुमति: जानकारों ने बताया कि सीबीएसई शुल्क के साथ संकाय बदलने की अनुमति देता है। इसके लिए भी प्राचार्य की अनुमति की जरूरत होती है। लेकिन प्रदेश के बोर्ड में माध्यमिक शिक्षा मंडल यह व्यवस्था बंद करने जा रहा है।

रूक जाना नहीं योजना

10वीं व 12वीं की परीक्षाएं आज से हुई शुरू, राजधानी में शामिल हो रहे हैं 7 हजार बच्चे

राज्य ओपन बोर्ड की ओर आयोजित परीक्षा के लिए प्रदेशभर में बनाए 419 परीक्षा केंद्र

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

रूक जाना नहीं योजना के तहत के माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) की कक्षा दसवीं-बारहवीं में फेल हुए विद्यार्थियों को एक और मौका दिया गया है। इन विद्यार्थियों की परीक्षाएं सोमवार से शुरू हो गई हैं। राजधानी भोपाल में करीब सात हजार विद्यार्थी इस परीक्षा में शामिल हो रहे हैं। वहीं प्रदेशभर में करीब दो लाख 55 हजार विद्यार्थी शामिल होंगे । राज्य ओपन बोर्ड की ओर से रुक जाना नहीं, परंपरागत 10वीं व 12वीं की परीक्षा, पांचवीं व आठवीं की बोर्ड परीक्षा, आ अब लौट चलें सहित दो अन्य परीक्षाएं भी आयोजित की जा रही हैं। इसके लिए प्रदेश भर में 419 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। राजधानी के 14 केंद्रों पर परीक्षा आयोजित की जाएगी। रूक जाना नहीं में दो लाख 42 हजार, आ लौट चलें में 11 हजार, ओपन बोर्ड की परंपरागत 10वीं व 12वीं की परीक्षा में नौ हजार, आ अब लौट चलें में 11 हजार विद्यार्थी शामिल होंगे।

दो पाली में परीक्षा: परीक्षा दो पाली में आयोजित होंगी। 12वीं की परीक्षा सुबह आठ से 11 बजे तक और 10वीं की दोपहर दो से शाम पांच बजे तक आयोजित होंगी। रुक जाना नहीं आ अब लौट चलें के 10वीं की परीक्षाएं 21 मई से 31 मई तक और 12वीं की परीक्षाएं 20 मई से सात जून तक होंगी।

कक्षा बारहवीं में 75 प्रतिशत लाने वाले 90 हजार से अधिक बच्चों को मिलेगा लैपटॉप

7 हजार विद्यार्थियों को स्कूटी देने की तैयारी, विभाग जुटा रहा जानकारी, माशिमं को लिखा पत्र

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश में इस बार कक्षा बारहवीं में 75 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले करीब 90 हजार मेधावी को लैपटाप राशि दी जाएगी। इसके साथ ही स्कूलों के टॉपर विद्यार्थियों को स्कूटी भी प्रदान की जाएगी। यह संख्या करीब सात हजार बताई जा रही है। स्कूल शिक्षा विभाग ने इसको लेकर तैयारियां शुरू कर दी हैं। 75 प्रतिशत अंक लाने वाले विद्यार्थियों को लैपटॉप के लिए 25-25 हजार रुपये की राशि दी जाएगी। इस बार इस योजना के तहत इस पर सवा दो सौ करोड़ से ज्यादा की राशि खर्च होगी। विभागीय जानकारों की माने तो जुलाई तक लैपटाप की राशि मिलने की संभावना है। स्कूल शिक्षा विभाग ने माध्यमिक शिक्षा मंडल से मेधावी विद्यार्थियों के आंकड़े मागे हैं।

इस बार 11 हजार 759 विद्यार्थी बढ़े

जानकारों के अनुसार, पिछले साल 78 हजार 641 विद्यार्थियों को लैपटाप खरीदने के लिए राशि दी गई थी। यह संख्या पिछले साल की तुलना में 11 हजार 759 अधिक है। वहीं, तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चैहान की पिछले साल की घोषणा पर अमल किया गया तो इस बार से सीबीएसई के विद्यार्थियों को भी इसमें शामिल किया जा सकता। हालांकि अभी इस पर संशय बरकरार है।

पहले 85 फीसदी अंक थे, अब 75 में लाभ

माशिमं के बारहवीं के मेघावी विद्यार्थियों को लैपटॉप के लिए 25-25 हजार रुपए राशि देने की योजना वर्ष 2009-10 में शुरू की गई थी। योजना मुख्यमंत्री प्रोत्साहन योजना के तहत शुरुआत में मेघावी विद्यार्थियों को 85 फीसदी अंक निर्धारित किए गए थे। इस दौरान विद्यार्थियों की संख्या भी 20 से 25 हजार के आसपास होती थी। वर्तमान में बारहवीं में 75 फीसदी का लाने वाले मेधावी विद्यार्थियों के इस योजना के तहत लैपटॉप राशि दी जाती हैं।

मेट्रो एंकर विद्यार्थी विज्ञान मंथन: दो दिवसीय नेशनल कैंप का आइसर भोपाल में समापन

कोई देश विज्ञान प्रौद्योगिकी एवं रिसर्च के बिना प्रगति नहीं कर सकता है: डॉ. बहल

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कोविड ने हमें बताया की विज्ञान और उसमें रिसर्च कितनी महत्वपूर्ण है, विज्ञान-प्रौद्योगिकी एवं शोध के बिना कोई भी देश प्रगति नहीं कर सकता है। विद्यार्थी विज्ञान मंथन में पुरस्कार नहीं अपितु इसमे आपकी पहुंच महत्वपूर्ण है। हमारी स्ट्रैंथ हमारे अंदर है। जिसमें सीखने की प्रवृत्ति होती है वह हर कहीं से सीख सकता है लेकिन यह सीखना आपकी सोच पर निर्भर करता है। यह बात आईसीएमआर के महानिदेशक एवं भारत सरकार के हेल्थ रिसर्च विभाग के सेक्रेटरी डॉ राजीव बहल ने कही। विज्ञान भारती द्वारा 18-19 मई 2024 को विद्यार्थी विज्ञान मंथन का दो दिवसीय नेशनल कैंप का समापन विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कार के साथ भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (आइसर) भोपाल में हुआ। इस प्रतियोगिता में संपूर्ण भारत के 36 प्रान्तों से 450 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया था।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए डॉ. बहल ने विद्यार्थियों से कहा कि सपने पूरे होते हैं इसलिए हमें सपने ब? देखना चाहिए। हमें अपने कल्चर और अपने अचीवमेंट पर गर्व करना चाहिए। उन्होंने जय जवान जय किसान जय विज्ञान और जय अनुसंधान के नारे की महत्वता बताई।

शोध समाज एवं मानवता के लिए महत्वपूर्ण होनी चाहिए: विज्ञान भारती के राष्ट्रीय संगठन मंत्री डॉ शिवकुमार शर्मा ने कहा कि हम जो शोध कर रहे हैं वह समाज एवं मानवता के लिए महत्वपूर्ण होनी चाहिए। उन्होंने कहा आई क्यू, इक्यू के साथ-साथ एस क्यू (सोशल) एवं एच क्यू (ह्यूमन) भी महत्वपूर्ण है। फॉर्मल एजुकेशन के साथ इनोवेशन भी महत्वपूर्ण है क्योंकि नवाचार एवं सीखने की निरंतर ही हमें शिखर पर पहुंचती है । स्वॉट एनालिसिस के माध्यम से हमें स्वयं का आकलन कर विज्ञान में अपना भविष्य बनाते हुए देश हित में कार्य करना चाहिए ।

लगभग 90 पुरस्कार प्रदान किए गए: विद्यार्थी विज्ञान मंथन परीक्षा में पूरे भारत वर्ष से कुल 36 जोन से लगभग 90 पुरस्कार प्रदान किए गए हैं। मप्र से भी कई विद्यार्थियों को पुरस्कार मिले हैं। 18 विद्यार्थियों को हिमालय पुरस्कार एवं 18 विद्यार्थियों को जोनल पुरस्कार मिले हैं। पुरस्कृत विद्यार्थी सृजन इंटर्नशिप कार्यक्रम में भाग ले सकेंगे एवं चंडीगढ़ में जुलाई माह में वहां स्थित शोध संस्थानों का भ्रमण भी कर सकेंगे।

मन अतीत का संग्रह है। जैसे ही आप मन से परे चले जाते हैं, अतीत का आपके ऊपर कोई वश नहीं रह जाता।

संपादकीय

ईडी को फिर नसीहत

ईडी की कार्रवाईयां और असीमित से अधिकारों तथा इन पर मची बहस के बीच अब सर्वोच्च न्यायालय ने फिर प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी को कड़ी नसीहत दे डाली हैं। कोर्ट ने व्यवस्था दी है कि अगर धनशोधन के मामले में किसी व्यक्ति के खिलाफ विशेष अदालत ने संज्ञान लिया है, तो ईडी उसे गिरफ्तार नहीं कर सकती। अगर आरोपी अदालत के बुलाने पर हाजिर होता है, तो उसे हिरासत में लेने के लिए ईडी को अदालत में आवेदन करना होगा और फिर न्यायालय बहुत जरूरी होने पर ही उसे हिरासत में भेजने का फैसला कर सकता है। धनशोधन निवारण अधिनियम की धारा 19 के तहत उसकी गिरफ्तारी नहीं की जा सकती। यह फैसला एक तरह से ईडी की उसकी सीमा बताने वाला फैसला है। इसी धारा के तहत ईडी किसी आरोपी को गिरफ्तार कर सकती है। अदालत ने स्पष्ट कह दिया है कि इस धारा के तहत गिरफ्तारी के बाद किसी आरोपी को जमानत देना मुश्किल हो जाता है। हालांकि एक वर्ष पहले भी सर्वोच्च न्यायालय ने ईडी को नसीहत दी थी कि धनशोधन मामले में गिरफ्तारियों को लेकर वह अतिरिक्त उत्साह न दिखाए। उसके बाद स्पष्ट निर्देश दिया था कि ईडी तभी किसी व्यक्ति को गिरफ्तार करे, जब उसके पास आरोपी के खिलाफ पुख्ता सबूत हों, उसके बारे में वह स्पष्ट उल्लेख करे। दरअसल, पिछले कुछ वर्षों से धनशोधन मामलों में जिस तरह ईडी सक्रिय नजर आ रहा है और विपक्ष के अनेक नेताओं और उनसे संबंधित लोगों को सलाखों के पीछे डाल चुका है, उसे लेकर लगातार आपत्ति दर्ज कराई जाती रही है। एक वर्ष पहले सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट निर्देश दिया था कि ईडी भय का माहौल पैदा न करे। उसकी गिरफ्तारियों में राजनीतिक विरोधियों की गिरफ्तारी असाधारण रूप से अधिक है। लेकिन तब की नसीहतों का ईडी पर कोई असर नहीं हुआ। विपक्षी नेताओं की गिरफ्तारियां लगातार जारी ही रहीं। उनमें से कई नेता अब भी जेल में हैं और उन्हें जमानत नहीं मिल पा रही है। माना जाता है कि चुनाव आचार संहिता लागू होने के बाद इस तरह के छापों और गिरफ्तारियों पर विराम लग जाना चाहिए, ताकि राजनेता चुनाव में समान अधिकार से चुनाव मैदान में उतर सकें। मगर इस दौरान भी छापे रुके नहीं हैं। ईडी की इस सक्रियता के विरोध में विपक्षी दलों ने सर्वोच्च न्यायालय में गुहार लगाई थी, मगर धनशोधन का मामला संवेदनशील होने की वजह से अदालत ने कोई आदेश नहीं दिया था। अब अगर सर्वोच्च न्यायालय इसे लेकर गंभीर और कड़ा रुख अपनाए हुए है, तो ईडी को अपने दायरे का अहसास हो जाना चाहिए। आजकल लगातार ही देखा जाता है कि जब भी किसी राजनेता या बड़े अधिकारी के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप लगते हैं, तो ईडी भी पीछे-पीछे वहां पहुंच जाती है और अपने असीमित अधिकारों का इस्तेमाल करती देखी जाती है। धनशोधन के मामले में कड़ी कार्रवाई से इनकार नहीं किया जा सकता। यह देश की सुरक्षा के लिए संवेदनशील मामला है। इसी दृष्टि से धनशोधन निवारण अधिनियम को कड़ा भी बनाया गया। मगर इस कानून को अगर ईडी राजनीतिक विरोधियों को सबक सिखाने के हथियार के रूप में इस्तेमाल करती है, तो इस कानून का प्रभाव संदिग्ध हो जाता है। यह भी कोई छिपी बात नहीं है कि पिछले कुछ वर्षों में इस अधिनियम के तहत गिरफ्तारियां तेज हुई हैं, पर दोषसिद्धि बहुत कम हुई है। अब फिर सर्वोच्च न्यायालय ने नई व्यवस्था दी है। लेकिन इसका असर ईडी की आगामी कार्रवाईयों के दौरान सामने आएगा।

चीरहरण का चुनावी मुद्दा विपक्ष के दिग्गज नेताओं के लिए काला टीका

■ आलोक मेहता

चीरहरण भरे दरबार में नहीं दिल्ली राज्य के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल के शीश महल की खास बैठक में होने का आरोप प्रतिपक्ष के इंडी गठबंधन के महारथियों के लिए सिरदर्द बन गया है। मुंबई में महाअगाडी की अंतिम सभा में केजरीवाल के अनर्गल प्रलाप के बाद मराठा क्षत्रप और वर्तमान राजनीति के शीर्ष प्रतिपक्षी नेता शरद पवार के माइक पर पहुंचने के साथ लोगों के उठकर जाने से जनता के आक्रोश को समझा जा सकता हैं सचमुच यह भारत ही नहीं शायद विश्व के किसी लोकतान्त्रिक देश की पहली रिकॉर्ड घटना है ए जब एक मुख्यमंत्री के अपने भव्य बंगले के प्रमुख कमरे में उसीकी पार्टी की महिला सांसद की बर्बरता से पिटाई और कपड़े फाड़ने की पुलिस रिपोर्ट दर्ज हुई और गंभीर मामला अदालत जाएगा। लोक सभा चुनाव के अंतिम तीन दौर शरद पवार ही नहीं इस गठबंधन के अन्य बड़े साझेदार लालू प्रसाद यादव ए सोनिया राहुल गांधी ए ममता बनर्जी ए हेमंत शिबू सोरेन ए के कविता चंद्रशेखर राव ए उद्धव ठाकरे ए फाष्ठ क अब्दुल्ला की प्रतिष्ठा और भविष्य के लिए निर्णायक है। शरद पवार को बेटी सुप्रिया ए लालू यादव को अपनी बेटियों मीसा और अपर्णा ए सोनिया को राहुल के साथ बेटी प्रियंका ए अखिलेश यादव को पत्नी डिम्पल ए के सी आर को बेटी कविता के लिए सत्ता के ताज पहनाने के प्रयास का शक्ति परीक्षण है और अन्य नेताओं को भी अपने बेटे बेटियों ए पत्नी ए भतीजे भतीजी के साथ करोड़ो महिलाओं को सामजिक सुरक्षा का विश्वास दिलाने की चुनौती है। दूसरी तरफ प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा को करोड़ों महिलाओं के समर्थन का विश्वास है। सबसे दिलचस्प पहलु यह है कि शरद पवार ए सोनिया गाँधी ए लालू प्रसाद यादव ए के सी आर ए के विजयन ए शिबू सोरेन पांच वर्ष बाद होने वाले लोक सभा चुनाव के मंचों पर कोई बड़ी भूमिका में दिखाई नहीं देंगे। उनकी राजनीतिक विरासत की दशा दिशा पर पता नहीं कितनी दुशी कितना दर्द दिखेगा। यह परिवार भारतीय राजनीति कृी आधी शताब्दी के प्रमुख किरदार रहे हैं। जनता के बीच बराबर यह सवाल भी उठ रहा है कि इन पुराने दिग्गज राजनेताओं को दस वर्ष पहले उभरे सबसे अविश्वसनीय ए महत्वाकांक्षी ए विवादास्पद अरविन्द केजरीवाल और उनकी छोटी सी पार्टी का सहारा लेने की क्या मड़बूरी है घ् शरद पवार को महाराष्ट्र के मराठा और मुस्लिम मतदाताओं का ए लालू और अखिलेश यादव को यादव मुस्लिम वोट बैंक ए सोनिया गाँधी को भी दलित पिछड़े मुस्लिम वोट ए के सी आर को तेलगु और मुस्लिम मतदाताओं से अपने टूटे फूटे महल बचाने की उम्मीद है और इन सभी वर्गों में महिलाओं की आन बान परिवार की इज्जत से बड़ी कोई चीज नहीं है। छत्रपति शिवाजीए तिलक , गांधी , अम्बेडकर के नाम और आदर्शों का बखान करते हु, शराब घोटाले , जल बोर्ड घोटाले तथा महिला सांसद की निर्मम पिटाई के गंभीर आरोपों से फंसी पार्टी के नेता को अपने चुनावी रथ पर बैठाकर घूमने से क्या चुनाव में जन समर्थन मिल सकता है कानूनी दांव पेंच और अनर्गल प्रचार पर करोड़ो रूपये खर्च करने पर यदि चुनावी सफलता या सत्ता मिल सकती, तो पवार, गांधी परिवार , लालू मुलायम, मायावती, ओमप्रकाश चौटाला, सुखबीर बादल, चंद्रबाबू नायडू या फाष्ठ क अब्दुल्ला की पार्टियों की दुर्दशा जैसी स्थिति नहीं होती। राहुल गांधी और अरविन्द केजरीवाल ने अपनी छवि चमकाने के लि, विज्ञापन और इवेंट मैनेजमेंट कंपनियों पर बहुत खर्च किया , लेकिन अमेरिका की तरह भारत में वोट कभी नहीं मिल सकते हैं। इतने बड़े इमेज प्रबंधन के बावजूद राहुल गांधी ने पिछले पांच वर्षों में अमेठी रायबरेली जाना दूर किसी श् परम प्रिय श् पत्रकार के सामने बैठकर ऑन रिकॉर्ड इंटरव्यू तक नहीं दिया। अपनी जीवन शैली पर डूड ट्रेवल यू ट्यूब चैनल कर्ली ट्रेवल्स की काम्या जानी को जष्ठ र अपनी भारत यात्रा के दौरान ,क इंटरव्यू दिया। वर्षों पहले टाइम्स नाउ न्यूज चैनल के तत्कालीन संपादक अर्नब गोस्वामी के सामने बैठकर इंटरव्यू में जाने क्यों अपने को विफल समझ आज तक वह किसी के सामने बैठकर इंटरव्यू देने की हिम्मत नहीं जुटा सके। हां , कभी पंचायत , नगर निगम , विधान सभा , लोक सभा का चुनाव लाडे बिना केवल पार्टी के विधायकों के समर्थन के जुगाड़ से चार बार राज्य सभा में विराजे रणनीतिकार जयराम रमेश के साथ बैठकर नियंत्रित प्रेस कॉन्फ्रेंस बहुत सी की, ताकि किसी को दो से अधिक असहज सवाल कोई पत्रकार नहीं कर सके। अपनी मांद में बैठकर शेर दहाड़ते रहने पर तो न जंगल के जानवर भागते हैं और न ही शिकार डरा सहमा गुफा मेंआकर शिकार के लि, समर्पण करता है। इसलि, केवल गांधी परिवार के पुराने त्याग बलिदान के नाम पर भावनाओं से खेलकर अधिक समय तक जनता के दिल दिमाग पर राज करना कहाँ तक उचित है।केवल परिवार और भावना से विजय होती हो तो महात्मा गांधी के पोते राजमोहन गांधी ; देवदास गांधी के विद्वान ईमानदार पुत्र राजमोहन गांधी 1989 के चुनाव में राजीव गांधी से करीब 2 लाख 71 हजार वोट से नहीं पराजित होते। तब चर्चा यह थी कि असली गांधी ; मतलब महात्माजी के पोते और अपना गांधी ; भाई संजय गाँधी द्वारा इंदिरा राज में बनाई राजनीतिक जमीन अमेठी रायबरेली में सक्रीय रहे राजीव द्ध के बीच चुनाव है। यही नहीं सुप्रसिद्ध लेखक चिंतक होने के बावजूद दिल्ली में केजरीवाल के भ्रम जाल में फंसकर आम आदमी पार्टी का उम्मीदवार बनकर लोक सभा का चुनाव लड़ने पर बुरी तरह पराजित हु,। आजादी दिलाने वाले महात्मा गांधी के काबिल पोते गलत पार्टी के कारण दोनों बार कांग्रेस पार्टी के कारण हारे। तब आम आदमी पार्टी ने इस बार की तरह कांग्रेस से समझौता नहीं किया था। कांग्रेस से दिल्ली की मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के पुत्र संदीप दीक्षित और भाजपा से महेश गिरी उम्मीदवार थे और गिरी जीत। गांधीजी के बाद भारत में ईमानदारी के आदर्श नेता के रूप में लालबहादुर शास्त्रीजी का नाम लिया जाता है। उन्हें नेहष्ठ के बहुत करीबी शीर्ष नेता और बाद में प्रधान मंत्री रहकर 1965 में पाकिस्तान कृी पराजय तथा जय जवान जय किसान के नारे से लोकप्रिय जन नेता माने जाने के बावजूद उनके जीवन काल में परिवार के किसी सदस्य को सत्ता की राजनीति में स्थान नहीं मिला। यहाँ तक कि उनके बेटों को सरकारी कार या सुविधा लेने पर भी उन्होंने कड़ी रोक लगाई थी। शास्त्रीजी के निधन के बाद अवश्य उनके बेटे और परिवार के सदस्य राजनीति में आ, , विधायक , मंत्री , सांसद रहे , लेकिन कभी शीर्ष पदों मुख्यमंत्री प्रधानमंत्री के दावेदार तक नहीं बान सके। उनके तीन बेटों हरिकृष्ण , सुनील और अनिल शास्त्री से मेरा अच्छा परिचय रहा , मिलना हुआ , उनकी गतिविधियों पर बहुत कुछ लिखा भी। हाँ यह कहा जा सकता है कि कांग्रेस ने शास्त्री परिवार को अधिक महत्व नहीं मिलने दिया। इसीलि, बेटे , पोते विभिन्न दलों जनता दल, भारतीय जनता पार्टी, आम आदमी पार्टी, राष्ट्रीय लोकदल पार्टियों में सक्रिय होकर कुछ सामाजिक राजनीतिक गतिविधियां करते रहे हैं। मतलब राजशाही की तरह लोकतंत्र में विरासत से सत्ता का सिंहासन नहीं मिल सकता है।

निशाना

छिछालेदर हो रही !

– कृष्णेन्द्र राय

गिरा इतना स्तर ।
क्या कुछ कहना बाकी ।।
टाय टाय फिस्स हुई ।
आपकी चालाकी ।।
कार्यशैली पल पल ।
देख रहा है देश ।।
स्वत= धीरे धीरे ।
पहुंच रहा संदेश ।।
थे बदलने आए ।
जो गड़बड़ था तंत्र ।।
उतरे बदसलूकी पर ।
कर विचरण स्वतंत्र ।।
रहा ना कुछ अब गुप्त ।
खुल गए सारे राज़ ।।
छीछालेदर हो रही ।
फिर भी पहने ताज ।।

आज का इतिहास

- 1825 चार्ल्स एक्स फ्रांस के राजा बने।
- 1864 वर्जीनिया के वेयर बॉटम चर्च में लड़ाई से 1,400 मारे गए।
- 1867 रानी विक्टोरिया द्वारा रचित कला और विज्ञान फाउंडेशन के रॉयल अल्बर्ट हॉल का उद्घाटन किया गया।
- 1873 वस्त्र निर्माता लेवी स्ट्रॉस और दर्जी जैकब डेविस ने डेनिम चौग़ा की जेब को मजबूत करने के लिए तांबे की रिवर का उपयोग करने के लिए एक पेटेंट प्राप्त किया, जिससे उनकी कंपनी नीली जींस की अपनी लाइन का निर्माण शुरू कर सके।
- 1873 सैन फ्रैंसिस्कों के बिजनेसमैन लेवी स्ट्रॉस और दर्जी जेकब डेविस को जीन्स का पेटंट दिया गया।
- 1875 सत्रह देशों के प्रतिनिधियों ने मेट्रेकोनवेंशन पर हस्ताक्षर किए, जो समन्वय मेटर्नोलॉजी के उद्देश्य से और विषयगत प्रणाली के विकास के समन्वय के लिए एक संस्थान की स्थापना की।
- 1882 ट्रिपल एलायंस जर्मन साम्राज्य, ऑस्ट्रिया-हंगरी और इटली के साम्राज्य के बीच बनाया गया था।
- 1882 गोत्थार्ड रेल सुरंग एंट्री स्विट्जरलैंड और इटली को खोला गया।
- 1902 क्यूबा को संयुक्त राज्य अमेरिका से आजादी मिली।
- 1902 टॉमस एस्ट्राडा पाल्मा देश के पहले राष्ट्रपति बने
- 1923 स्टेनली बाल्डविन ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बने।
- 1926 रेलवे श्रम अधिनियम पारित किया गया।
- 1927 जेद्दा की संधि के द्वारा, यूनाइटेड किंगडम ने राजा इब्न सऊद की हेज और नज्द पर अधिकता को मान्यता दी, जो बाद में सऊदी अरब में विलय हो गया
- 1927 बोइंग 40 ए कंपनी द्वारा निर्मित पहला यात्री एयरलाइन पहली बार उड़ाया गया।
- 1930 दक्षिण अफ्रीकी संसद द्वारा 19 मई, 1930 को महिला उत्थान अधिनियम, 1930 पारित किया गया था, जिसमें केवल 21 वर्ष से अधिक आयु की श्वेत महिलाओं को ही मतदान का अधिकार दिया।
- 1956 हाइड्रोजन बम का पहला संयुक्त राज्य अमेरिका का हवाई परीक्षण 20 मई, 1956 को प्रशांत महासागर के बिकनी एटोल में किया गया था।
- 1964 अमेरिकी भौतिकविदों रॉबर्ट वुड्रो विल्सन और अर्नो पेनज़ियास ने 20 मई, 1964 को कॉस्मिक माइक्रोवेव बैकग्राउंड रेडिएशन की खोज की।

सीमांत गांवों के विकास से टूटेंगे चीन के मंसूबे

■ ले. जनरल प्रदीप बाली

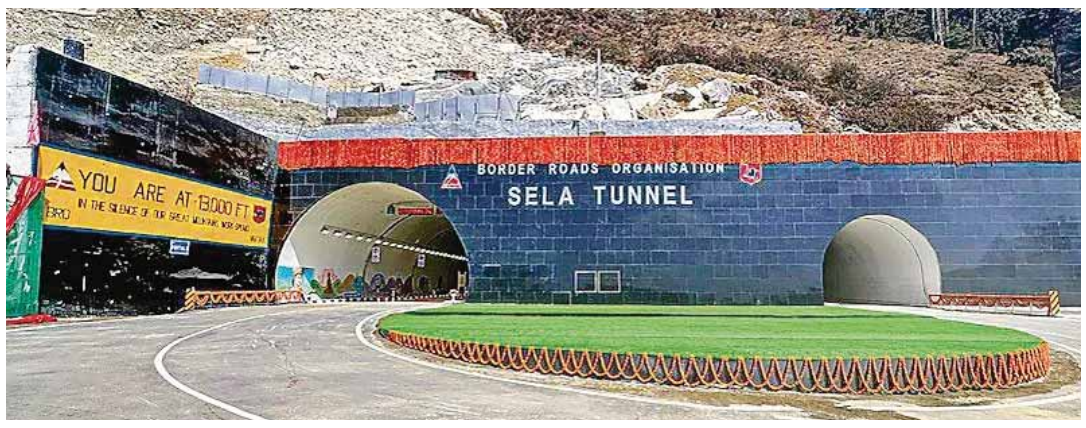

इतिहास को मनमाफिक गढ़ना और भौगोलिक हकीकतों से छेड़छाड़ चीन की प्रवृत्ति रही है। यह उसकी आधिपत्यवादी प्रवृत्ति और मंसूबों को सुहाता है। इसके लिए, उसे वास्तविकता से परे के तथ्यों को गढ़ने की जरूरत पड़ती है। चीन अक्सर भारतीय भूमि के कई हिस्सों पर अपना दावा ठोकता आया है, पिछले कई सालों से अक्सर अरुणाचल प्रदेश में बस्तियों और भूभाग का नाम बदलने में उसे खुशी महसूस होती है। चीनी नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने 2017 में गढ़े नामों की पहली सूची जारी की थी, जिसमें छह जगहों का जिक्र था। फिर 15 नये नामों वाली दूसरी सूची 2021 में आई, 2023 की सूची में 11 जगहों का नाम बदला हुआ था। भौगोलिक नाम बदलने के इस खेल में चौथी और नवीनतम सूची 1 अप्रैल, 2024 को जारी की गई है, जिसमें अरुणाचल प्रदेश की 30 और जगहें शामिल की गई हैं। खुद अरुणाचल प्रदेश का नाम चीनियों ने 'ज़गनान' रखा हुआ है। उम्मीद के मुताबिक भारत ने कड़े प्रतिरोध के साथ इस नौटंकी को खारिज किया है। इस कृत्य के समांतर वास्तविक नियंत्रण रेखा के उत्तर में सीमांत इलाकों को विकसित करने की आड़ में चीन शियाओकांग नामक रिहायशी बस्तियां समूची सीमा रेखा के ठीक बगल में स्थापित कर रहा है। पिछले सालों में लगभग 600 ऐसे गांव बसाए जा चुके हैं और 'विकास कार्यक्रम' के तहत और 175 बस्तियां बनाने की योजना है। बिना शक यह सारी प्रक्रिया चीन के इलाकाई दावों को पुष्ट करने और पीपुल्स लिबरेशन आर्मी का अतिरिक्त सहायता तंत्र बनाने के मकसद से है। यहां चीन 'कानूनी रणनीति' का कपटी खेल भी खेल रहा है। भारत के साथ 'सीमा रक्षा सहयोग संधि-2005' के मुताबिक जब कभी वास्तविक सीमा नियंत्रण रेखा की निशानदेही होगी तो पूर्व-स्थापित आबादियों को नहीं छेड़ा जाएगा। चीनी रणनीति का यह रंग-ढंग अन्य मुल्कों से सीमा विवादों में भी झलकता है। जापान प्रशासित सेन्काकु द्वीप को दियाओऊ नाम देकर, चीन उसे अपना हिस्सा बताने का दावा करता आया है। सर्वविदित है कि चीन की तथाकथित 'नौ-बिंदु सीमारेखा' समस्त दक्षिणी चीन सागर में उसके इलाकाई दावों को मजबूत बनाने का एक पैंतरा है। यह अंतर्राष्ट्रीय कानून का उल्लंघन है, खासकर 'संयुक्त राष्ट्र सागरीय कानून अधिवेशन' के प्रावधानों का। दावेदारी की यह रेखा ब्रुनेई के विशेष निर्यात क्षेत्र, इंडोनेशिया, फिलीपींस, ताईवान और वियतनाम के इलाकों का अतिक्रमण करती है। चीन समुद्र में कंक्रीट डालकर छोटे द्वीपों और उभरी चट्टानों को बड़े टापुओं में तब्दील कर रहा है। इन मानव-निर्मित भौगोलिक द्वीपों का निर्माण करने के पीछे उद्देश्य है सैन्य लाभ सुदृढ़ करना और अपने पड़ोसियों को जताना कि भिड़ने पर भविष्य में क्या हो सकता है। भौगोलिक और ऐतिहासिक तथ्यों को तोड़ने-मरोड़ने की छूट लेने की उसकी यह प्रवृत्ति भूटान में 2017 में स्पष्ट जाहिर हुई, जब चीन की पीएलए ने डोकलाम पठार को झम्पेरी रिज तक कब्जाने का यत्न किया। इसने भारत को क्रोधित किया क्योंकि यह अतिक्रमण हमारी रक्षा संबंधी चिंताओं को बढ़ाता है। तभी भारतीय सेना को यह कब्जा आमने-सामने के टकराव सेि फल करना पड़ा।

किसी इलाके का अतिक्रमण कर उसका 'बधियाकरण' करने का एक उदाहरण तिब्बत है, जिसे चीन ने 1951 ने कब्जाया था और 1959 में पूर्ण नियंत्रण बना लिया। चीनी शासकों ने दिखावे को 'तिब्बत सार्वभौमिक क्षेत्र' की स्थापना की है, जिसे आमतौर पर 'राजनीतिक तिब्बत' कहा जाता है और इसका क्षेत्रफल शेष तिब्बत से कहीं छोटा है। ऐतिहासिक रूप से, जनजातीय तिब्बत में तीन मुख्य इलाके हैं- यूत्सांग, खाम और अम्दो। वर्ष 1955 में अम्दो का विलय किंगहाई प्रांत में कर दिया और 1957 में खाम कोगांज़े सार्वभौमिक प्रदेश के साथ मिला दिया गया। इसी प्रकार तिब्बत के बाकी जनजातीय इलाकों का विलय गनसू और युनान प्रांतों में कर डाला। वास्तव में, मूल तिब्बत राज्य में अब सिर्फ यू-त्सांग क्षेत्र ही 'राजनीतिक तिब्बत' है। वर्ष 1911 और 1951 के बीच, तिब्बत चीनी गणतंत्र के मंसूबों से कमोबेश मुक्त रहा। अम्दो में 14वें दलाईलामा का जन्म हुआ और उनके अंगरक्षक खाम इलाके से हैं, जिन्हें तिब्बतियों की लड़ाकू जाति के तौर पर जाना जाता है। चीन ने साथ लगते और बहुत ज्यादा जनसंख्या के बोझ तले दबे हान प्रांत से चीनी मूल के लोगों को तिब्बत के विभिन्न हिस्सों में बसाकर अंदरूनी जनसंख्या स्थानांतरण करवाया है। अधिकांश सीमांत गांव समूची वास्तविक सीमा नियंत्रण रेखा के ठीक साथ सटाकर बनाए गए हैं, जिनमें लगभग सभी 'हान' हैं। इन चीनी प्रवासियों को वहां बसने-रहने की एवज़ में काफी आर्थिक लाभ दिए जाते हैंङ्कऔर तिब्बत का जातीय स्वरूप बदलने में यह मुख्य अवयव है। चीन की धूर्त रणनीति के जवाब में भारत की प्रतिक्रिया बेपरवाही से लेकर बड़ी-बड़ी बातें करने तक ही रही है। नाम बदलने के नवीनतम खेल पर रक्षामंत्री राजनाथ सिंह की प्रतिक्रिया बेहद सधी रही। 9 अप्रैल को पूरबी अरुणाचल प्रदेश में एक जनसभा में उन्होंने कहा = 'मैं अपने पड़ोसी को बताना चाहता हूं कि नाम बदलने से कुछ हासिल नहीं होने वाला। कल को यदि हम चीन के राज्यों का नाम बदल दें तो क्या वह उन्हें हमें सौंप देगा?' चीन से हमारे सीमा संबंधी मुद्दे द्विपक्षीय चिंताओं वाले रहे हैं। तथापि, पिछले कुछ समय से, अमेरिका भारत की पीठ पर हाथ रख रहा है। भारत में अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी ने हाल ही में बयान दिया = 'भारत के इलाकों का नाम बदलना चीन का काम नहीं है और वे भारतीय भूभाग का हिस्सा हैं', यह स्वागतयोग्य कदम है। पूरब में देखें तो शंघाई सहयोग संगठन में चीन के विकृत दावों ने तीखी अंतर्राष्ट्रीय प्रतिक्रिया पैदा की है। चाहे यह क्वाड संघ हो (जिसमें भारत सहित अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान हैं) या ऑस्ट्रेलिया, यूके एवं अमेरिका से बना ऑकस संघ या फिर अमेरिका, जापान, फिलीपींस का त्रिकोणीय गुट, इन सबका ध्यान शंघाई सहयोग संगठन की बैठकों में चीनी मंसूबों का विरोध कर वैधानिक विश्व-व्यवस्था बनाने पर केंद्रित है। भारत को चीन द्वारा ऐतिहासिक-भौगोलिक तथ्यों से छेड़छाड़ के प्रयासों का प्रत्युत्तर शिद्दत और निरंतरता से देने की जरूरत है। हमें इन मुद्दों को मजबूती से उठाना होगा और चीनी दावों के विरोध में लिखित प्रतिरोध करना होगा। वर्ना उन्हें तथ्य के तौर पर स्वीकार कर लिया जाएगा। सीमावर्ती इलाके में हमारी तरफ की भौगोलिकता अत्यधिक दुरूह है और भूभाग अधिकांशतः तीखा पर्वतीय या घना जंगल है। यह हाल ठीक वास्तविक नियंत्रण रेखा तक है। अपने इलाके में हमें बुनियादी ढांचा विकसित करने का काम निरंतर जारी रखना होगा। सीमा सड़क संगठन इस चुनौती से पार पाने में प्रयासरत है। हाल ही में अरुणाचल प्रदेश में सेला सुरंग का उद्घाटन भारत की वास्तविक नियंत्रण सीमा रेखा को लेकर तैयारियों को बल देगा। हालांकि यह काम बहुत विशाल स्तर का है और हमें तीखी ऊंचाइयों पर काम करने की सामर्थ्य बढ़ानी होगी। लोगों का सीमांत इलाके से पलायन रोकने को हमें सीमा पर गांव बसाने को प्रोत्साहित करने की जरूरत है। इसके लिए आर्थिक लाभ की पेशकश और तेज गति की संचार व्यवस्था बनाना पहला कदम है। जहां सेना इन कामों में मददगार हो सकती है, वहीं इस सबके लिए नीतियां बनाना राजनीतिक नेतृत्व का कार्यक्षेत्र है। सबसे ऊपर, जो भारतीय नागरिक सीमावर्ती इलाके में बसे हैं उनकी संवेदनशीलता को सदा ज़हन में रखना आवश्यक है।

–साभार: लेखक सैन्य मामलों के स्तंभकार हैं।

केन्द्रीय जेल में दन्त रोग से पीड़ित बंदियों के लिए दन्त रोग शिविर का आयोजन हुआ

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

केन्द्रीय जेल खंड 'अ' में समाजसेवी भावना विष्ट, के सहयोग से निरुद्ध दन्त रोग से पीड़ित बंदियों के दन्त रोग संबंधी जांच एवं उपचार के लिए शिविर का आयोजन किया गया। आयोजित शिविर में दन्त रोग विशेषज्ञ डॉ. शिवम गौर, चिकित्सक सहायक प्रिंस यादव, अवधेश सिंह, अनुपमा उईके द्वारा दन्त रोग से पीड़ित 62 पुरुष बंदी एवं 10 महिला बंदियों को जांच कर उपचार दिया गया एवं 01 बंदी के दांत की सर्जरी की गई। आयोजित शिविर के दौरान जेल अधीक्षक संतोष सोलंकी, उप अधीक्षक प्रहलाद सिंह वरकडे, अष्टकोण अधिकारी हितेश चंडिया, इन्दू राज साहू मेलनर्स एवं जेल स्टाफ व कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिला प्रशासन एवं शिक्षा विभाग द्वारा सम्मान समारोह कार्यक्रम में डॉ.मयंक तोमर को सम्मानित किया गया

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

सामाजिक कार्यकर्ता डॉ.मयंक तोमर को शिक्षा और साक्षरता को प्रेरित करने के लिए उनके द्वारा किए गए कार्यों हेतु शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय में कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना, जिला पंचायत सीईओ सोजान रावत, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग संजय द्विवेदी, संयुक्त संचालक लोक शिक्षण भावना दुबे, डीईओ शत्रुंजय प्रताप बिसेन द्वारा सम्मानित किया गया।

पेयजल संबंधी समस्याओं के लिए जिला स्तर पर संचालित है कंट्रोल रूम

रायसेन, दोपहर मेट्रो।

जिले के ग्रामीण और नगरीय क्षेत्रों में ग्रीष्म ऋतु में नागरिकों को सुचारू रूप से पेयजल वितरण सुनिश्चित कराने के लिए कलेक्टर अरविंद दुबे द्वारा ई-पीएचई सहित अन्य अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। साथ ही पेयजल संबंधी समस्याओं की सूचना प्राप्ति और त्वरित समाधान के लिए कलेक्टर दुबे के निर्देशानुसार कलेक्ट्रेट भवन में जिला स्तरीय कंट्रोल रूम संचालित है, जिसका सम्पर्क नम्बर 9329305437 है। कंट्रोल रूम में शिकायत पंजी संधारित कर प्राप्त शिकायतों को उसमें दर्ज कराते हुए निराकरण हेतु संबंधितों को अवगत कराया जाता है। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर दुबे द्वारा हैण्डपम्प खराब होने या पाइप बढ़ाने संबंधी शिकायतों का 24 घण्टे में तथा ट्यूबवेल में मोटर डालने संबंधी शिकायतों का दो दिवस के भीतर निराकरण सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही पेयजल संबंधी अन्य शिकायतों का भी शीघ्र निराकरण कराने हेतु निर्देशित किया गया है।

गर्मी के मौसम में बिजली बिल कम करने के कुछ आसान तरीके

सीहोर, दोपहर मेट्रो।

गर्मी के मौसम में अक्सर बिजली बिल बढ़ जाता है, जिसकी वजह कुछ जरूरी उपकरणों का इस्तेमाल तथा उनके रखरखाव में कमी होती है। जैसे-जैसे पारा चढ़ता है, वैसे-वैसे ए.सी., कूलर, पंखों का इस्तेमाल बढ़ जाता है। ऐसे में आपका बिजली का बिल ना बढ़े, इसके लिए मध्यक्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा कुछ कारगर तरीके सुझाये हैं। एसी इस्तेमाल करने वालों के लिए टिप्स यह है कि वह अपने एसी के टेम्प्रेचर को 27 डिग्री पर सेट करें। इसके नीचे टेम्प्रेचर करने पर ए.सी. के कंप्रेशर को ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। एसी ज्यादा देर तक चलता है, इसलिए बिजली भी ज्यादा खर्च होती है और आपका बिल ज्यादा आता है। बेहतर होगा कि ए.सी. के साथ-साथ कमरे में पंखा भी चलाएं। ए.सी. के एयर फिल्टर को हर 10-15 दिनों में अच्छी तरह धोकर साफ करें। फिल्टर में धूल जमने में आपको पूरी ठंडक नहीं मिलती और आपको ए.सी. ज्यादा देर तक चलाना पड़ता है। एसी वाले कमरों के खिड़की-दरवाजे ए.सी.चलने के दौरान मजबूती से बंद रखें। यदि दरवाजे-खिड़कियों में झिरियां हों तो उन्हें थर्मोकोल आदि का इस्तेमाल कर सील कर दें।

बिजली कंपनी की सलाह

इसी तरह कूलर इस्तेमाल करने के लिए भी कुछ जरूरी टिप्स हैं। कूलर से पूरी ठंडक पाने के लिए जरूरी है कि कूलर जितनी हवा फेंक रहा है उतनी हवा कमरे से बाहर निकलने का भी पूरा इंतजाम हो। कूलर के पैड यदि खराब हो गये हैं तो उन्हें बदलवा लें। कूलर के पंखे और पंप की आइलिंग ग्रीसिंग के साथ ही कंडेंसर की जांच जरूर करायें। पुराने रेगुलेटर की जगह इलेक्ट्रॉनिक रेगुलेटर लगवाएं , इससे बिजली कम खर्च होती है।

इसी तरह पंखे इस्तेमाल करने के दौरान जरूरी है कि घर के सब पंखों की सर्विसिंग करा लें। खराब कंडेंसर, बाल बेयरिंग इत्यादि को तुरंत बदलवा लें, वहीं पंखे में इलेक्ट्रॉनिक रेगुलेटर का इस्तेमाल करें। रेफ्रिजरेटर इस्तेमाल करने में भी सावधानी रखें। गर्मी का मौसम शुरू होने के पहले रेफ्रिजरेटर की जांच करा लें। रेफ्रिजरेटर का दरवाजा बार-बार ना खोलें। दरवाजा बार-बार खुलने या ज्यादा देर खुला रहने से कंप्रेसर को फ्रिज का टेम्प्रेचर बनाये रखने में ज्यादा मेहनत लगती है। जिससे बिजली की खपत अधिक होगी और बिल बढ़ेगा।

दिल खोल कर घूमो हिंदुस्तान के दिल में आप सुरक्षित हैं...

पर्यटकों के लिए पर्यटन स्थल पचमढ़ी बन रहा है अब पहली पसंद: मुखर्जी

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

नर्मदापुरम जिले में सतपुडा के घने जंगलों में पर्यटन की अपार संपदा ओर संभावनाएं मौजूद है जिसकी विश्व के नक्से में अपने एक खास पहचान है जो पर्यटकों को लुभाती है साथ ही समृद्ध विरासत जिनका सदियों पुराना इतिहास सजोये हुए है ऐसी संस्कृति जो देखते बनती है आज भी वह अपनी पहचान के लिए हुए है जो किसी की मोहताज नही, सतपुडा के जंगलों में विविध वन्यजीवन एवं ऐतिहासिक धरोहरें जो दुनियाभर में प्रसिद्धि लिए हुए है इसका साफ प्रमाण है कि आज लाखो पर्यटक पचमढ़ी की हसीन वादियों में पहुंच रहे हैं मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा पचमढ़ी में पर्यटकों के लिए नए नए डेस्टिनेशन खोजकर पॉइन्ट की गिनती तो बड़ा ही रहे हैं साथ ही पर्यटकों का फुटफॉल भी बड़ा रहे हैं एवं इससे फुटफॉल के बढ़ने से क्षेत्रों का विकास के साथ रोजगार और व्यापार भी बढ़ रहा है स्थानीय संस्कृति और कलाकारों को का भी विकास हो रहा है पचमढी पर्यटन स्थल पर पर्यटक सतपुडा की वादियों में प्राकृतिक सौंदर्य के बीच पर्यटक शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य का लाभ भी ले रहे हैं। म.प्र. टूरिज्म बोर्ड की अपर प्रबंध संचालक सुश्री बिदिशा मुखर्जी (आई.ए.एस.) ने भी भागीदारी की और विभिन्न गतिविधियों में हिस्सा लिया।

पचमढ़ी में तीन दिन ए एम डी ने स्वयं सुबह उठकर साथ ही गाइड को लेकर सभी पचमढ़ी के पर्यटन स्थलों का दौरा किया बड़े महादेव, रीचगड, बीफाल,धूपगढ़, पांडव गुफाएं, राजेन्द्रगिरी,हांडी खोह,एजटा शंकर, गुप्त महादेव,जैसे सभी पोइन्ट पर उन सभी पॉइन्ट पर पर्यटकों की परेशानियों को जाना एवं सुविधाओं को लेकर स्वयं ही पर्यटकों से रूबरू हुई साथ ही पर्यटन स्थल के विभिन्न पोइन्ट पर गाइडों से जानकारी ली और नए डेस्टिनेशन को लेकर चर्चा की एवं सभी पॉइंट्स के वीडियो , फोटो सूट कर स्टोरी बनाई एवं एम डी मुखर्जी ने कुछ नए डेस्टिनेशन का भी दौरा किया रम्या कुंड पचमढी में प्रकर्ति की गोद मे बना एक अनोखा पर्यटन स्थल रम्या कुंड उथला कुंड है जिसका पानी क्रिस्टल क्लीन हर्बल पूल पचमढ़ी में कम पहचाने जाने वाले पर्यटन स्थलों में से एक है, सुंदर

प्रपात,डचिसफाल जैसे अन्य ओर भी पर्यटन स्थल है जो पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र है जिनतक अभी पर्यटकों को पहुंचने की जानकारी नही या फिर पर्यटक वहां ट्रेकिंग की वजह से नही जा पा रहे जबकि इन स्थानों पर पहुंचने के बाद लगता है कि दुनिया का सबसे सुंदर स्थान यही है ऐसे ही उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश तेजी से वेलनेस एवं स्वास्थ्य पर्यटन के केंद्र के रूप में स्थापित हो रहा है। यहां का प्राकृतिक सौंदर्य, प्रदूषण मुक्त वातावरण अपने आप में एक वेलनेस केंद्र है, जहां देश-विदेश से आने वाले पर्यटक स्वास्थ्य लाभ लेते हैं एवं विभिन्न प्रकार के पर्यटन का अनुभव भी। एम डी बिदिशा मुखर्जी ने म.प्र. पर्यटन की विशेषता पर जोर दिया और बताया कि यहां प्राकृतिक सौंदर्य के साथ ही ऐतिहासिक धरोहरें मौजूद हैं, विविध वन्य जीवन रोमांचित करता है। शहरी जीवन से दूर लोग अब मध्यप्रदेश के ऐसे ऑफबीट डेस्टिनेशन की और रुख कर रहे हैं।

सतपुड़ा बायोस्फीयर परियोजना का एक अभिन्न अंग पचमढ़ी देश के सबसे समृद्ध एवं मनमोहक जंगलों में से एक है। यहां की समृद्ध वन्य जीवन, घास के विशाल मैदान, मनमोहक झरने एवं सुरम्य प्राकृतिक नजारों के बीच के दृश्य पर्यटकों को आकर्षित करते है। यहां के विविध परिदृश्य, हरे-भरे जंगल, नदियां और मनोरम वादियां मन, शरीर और आत्मा को जीवंत कर देते हैं।

देशभर से आए पर्यटकों ने यहां पर झरने के निकट मेडिटेशन, सूर्य कृपा, जटाशंकर मंदिर में भक्ति साधना, सनसेट पॉइंट पर चित्तशक्ति मेडिटेशन एवं जंगल ट्रेकिंग का भी आनंद ले रहे हैं। सभी पर्यटन स्थलों पर रुकने के लिए होटल,रिसोर्ट,होमस्टे एवं टेंट सिटी की अच्छी व्यवस्था है साथ ही विभिन्न एडवेंचर गतिविधियां भी पर्यटन स्थल पर है जिससे पर्यटकों को अपनी च्वाइस अनुसार मनमाफिक जीवन जी सके। एएमडी मुखर्जी ने बताया कि मध्यप्रदेश पर्यटन द्वारा नर्मदापुरम जिले के सभी पर्यटन स्थलों पर पर्यटकों के लिए सारी सुविधाएं उपलब्ध होंगी ताकि हर पर्यटन तक पहुंचे पर्यटक ओर पर्यटन स्थल का पूर्णतः लुफ्त उठा सके ऐसी होंगी सुरक्षित व्यवस्थाएं दिल खोलकर घूमो हिन्दुस्तान के दिल मे आप सुरक्षित है।

सायबर अपराधों की शिकायत बढ़ी, इंवेस्टीगेशन एजेंसियों के नाम पर डिजिटल अरेस्ट कर ठगी

सीहोर, दोपहर मेट्रो।

पिछले कुछ समय से एक विशेष प्रकार के साइबर अपराधों की शिकायत देखने में आ रही है, जिसमें आम नागरिकों को किसी इन्वेस्टीगेशन एजेंसी/संस्था के वरिष्ठ अधिकारी के नाम से कॉल/व्हाट्सएप कॉल करके बड़े पैमाने पर ठगी के संबंध में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, राज्य साइबर पुलिस भोपाल द्वारा आम नागरिकों को सलाह। खुद को साइबर ठगों से बचने के लिए सबसे जरूरी है जागरूकता व सतर्कता लालच और लापरवाही के कारण साइबर अपराध का शिकार हो जाते हैं।

पिछले कुछ समय से एक विशेष प्रकार का अपराध देखने में आ रहा है, जिसमें साइबर अपराधी कॉल अथवा व्हाट्सएप कॉल के माध्यम से संपर्क करते हैं। यह कॉल अधिकांशतः +92(पाकिस्तानी) नम्बर या किसी अन्य देश के नम्बर(+91 के अतिरिक्त) से आते हैं। संदिग्ध व्यक्ति कॉल करके आपको डराते हुये यह कहते हैं कि आपके PAN/AADHAR कार्ड का उपयोग करके पार्सल भेजा गया है, जिसमें नारकोटिक्स (नशीली) सामग्री है। जालसाज आदि इंवेस्टीगेशन एजेंसी के अधिकारी के नाम से बदल-बदल कर कभी कॉल, कभी व्हाट्सएप वीडियो कॉल करते हैं, और कहते हैं कि उन्होंने आपके नाम से एक पार्सल पकड़ा है, जिसमें नारकोटिक्स (नशीली) सामग्री है। जालसाजों द्वारा कभी आपको कोर्ट फीस देने या जमानत देने के नाम से अथवा आपका नाम केस से हटाने के नाम पर पैसे की मांग की जाती है। कभी-कभी वीडियो कॉल पर पुलिस अधिकारी से बात करने को भी कहते हैं।

कृषकों के लिए अल्पकालीन फसल ऋण की देय तिथि 31 मई तक बढ़ाई गई

सीहोर। राज्य शासन ने केवल उपार्जन से संबंधित कृषकों के लिए खरीद 2023 सीजन में वितरित किए गए अल्पकालीन फसल ऋण की देय तिथि बढ़ाकर 31 मई 2024 नियत की है। पहले यह तिथि 30 अप्रैल निर्धारित थी।सरकारी बैंकों के माध्यम से कृषकों को अल्पकालीन ऋण पर ब्याज अनुदान योजना अंतर्गत वर्ष 2023-24 में शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर किसानों को अल्पावधि फसल ऋण दिये जाने की योजना निरन्तरता के संबंध में भी निर्देश जारी किये गये हैं। योजनान्तर्गत खरीफ 2023 सीजन में वितरित अल्पकालीन फसल ऋण की देय तिथि (डयू डेट) 28 मार्च, 2024 को बढ़ाकर 30 अप्रैल, 2024 करने के आदेश सहकारिता विभाग ने प्रसारित किये हैं।

किसानों को उपार्जित फसल की देय राशि प्राप्त होने में तकनीकी आदि कारणों से विलंब को दृष्टिगत रखते हुए राज्य शासन द्वारा निर्णय लिया गया है कि केवल ऐसे कृषकों जिनके द्वारा निर्धारित डयू डेट 30 अप्रैल, 2024 तक समर्थन मूल्य पर अपने विभिन्न फसलों जैसे - गेहूं, चना, मसूर, सरसों आदि का विक्रय किया गया है एवं उन्हें उनके उपज विक्रय की राशि का भुगतान प्राप्त नहीं हुआ है तथा उपार्जन की निर्धारित अंतिम तिथि तक उक्त फसलों का विक्रय करने वाले शेष किसानों के लिए शून्य प्रतिशत ब्याज दर योजनान्तर्गत खरीफ 2023 सीजन की निर्धारित डयू डेट 30 अप्रैल, 2024 को बढ़ाकर 31 मई, 2024 किया जायेगा।

मेट्रो एंकर युवाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम

55 जिलों में 37 सेक्टर में निशुल्क अत्याधुनिक पाठ्यक्रम

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

युवाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम के तहत उद्यमिता विकास केंद्र मध्य प्रदेश (सेडमैप) द्वारा सभी 55 जिलों में 37 विभिन्न सेक्टर में युवाओं को निशुल्क प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र (डीआईसी) अंतर्गत संचालित शासकीय स्वरोजगार योजनाओं की सब्सिडी का लाभ प्राप्त करने के लिए सर्टिफिकेट आवश्यक होता है। इसके लिए एक व्यापक कार्यक्रम तैयार किया गया है, जो इच्छुक और छोटे व्यवसाय उद्यमियों के लिए, व्यावसायिक उद्यमों की स्थापना को सुविधाजनक बनाने और मौजूदा व्यावसायिक इकाइयों के विकास को बढ़ावा देगा, पाठ्यक्रम में पठन सामग्री, विडियो आधारित ट्यूटोरियल, केस-आधारित दृष्टिकोण भी पाठ्यक्रम में प्रदान किया जाता है। केंद्र द्वारा डीएलईसी फोरलेन फार्मूला आधारित सर्टिफिकेट इन बिजनेस स्किल, डिसेंट्रलाइजेशन, लोकल, एंटरप्रेन्योरशिप तथा कोऑपरेशन के साथ फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम सर्टिफिकेट का संयुक्त संचालन किया जा रहा है। युवा लिंक https://mysba.co.in/DLEC पर जाकर उक्तल संबंध में पंजीयन कर सकते हैं।

इस संदर्भ संयुक्त रूप से एक कोर्स %ज्ञान हैंडबुक% डिजाइन किया गया है जिसमें 37 विभिन्न सेक्टर से संबंधित उद्यमिता के आयाम को सम्मिलित किया गया है। साथ में वरिष्ठ विषय विशेषज्ञों एवं अधिकारियों द्वारा भी इसमें युवाओं को मार्गदर्शन दिया जाएगा। प्रतिभागी ऑनलाइन माध्यम से घर बैठे उद्यमिता पर प्रशिक्षण पा सकते हैं और प्रमाण-पत्र भी निःशुल्क डाउनलोड कर सकते हैं। प्रत्येक विषय पर जानकारी के साथ प्रत्येक वीडियो यूट्यूब पर उपलब्ध रहेगा। पाठ्यक्रम में उद्यमिता के उभरते हुए अनेक सेक्टर को सम्मिलित किया गया है। जिसमें प्रमुख रूप से वनौषधि आयुप एपीआई, 64-कलाओं, सोलह सिंगार, हर्बल, 108 जड़ी- बूटी, मोटा अनाज, 108 भारतीय मसाला, जनजातीय उद्यमिता, हथकरघा बुटीक, गोबर उत्पाद, पूजन सामग्री, फूड प्रोसेसिंग, भारतीय शिल्प, अलाइड डेयरी, मिलेट बेकरी, महुआ, जैव उर्वरक, घरेलू / दैनिक उपयोग की वस्तुओं, बायोप्लास्टिक, स्पोर्ट्स, योग-नेचुरोपैथी पर्यटन उद्यमिता तथा अन्य संबंधित उपसेक्टर शामिल है।

हज पर जाने वालों के लिए सिरोंज में विशेष कैंप का आयोजन

भोपाल शहर काजी ने कहा- सिर्फ पैसे जमा करना हज नहीं

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

हज पर जाने वालों के लिए स्थानीय कहारा बाजार स्थिति मस्जिद नन्नी बी में रविवार को तरबियत कैम्प का आयोजन किया गया जिसमे विशेष रूप से भोपाल शहर काजी मौलवी मुस्ताक नदवी ने षिरकत की सिरांज लटेरी से हज पर जाने वाले इस बार 32 हज यात्री है जबकि जिले में 97 है ।

मौलवी मुश्ताक ने हज यात्रीयों के लिए लगाए जा रहे कैम्प का मकसद भी बताया उन्होने कहा कि हज पर जाने वाले को हज सही करना आ जाए और एक अच्छा नगारिक बनकर जाए इस्लिए कैंप का आयोजन होता है। सुबह 10 बजे से शुरू होकर शाम 4 बजें तक चले कैम्प में मौलवी मुष्ताक नदवी ने हज पर जाने वाले यात्रियों को बारीकियॉ सिखाई कि किस तरह अपनी हज यात्रा के दौरान हमें रहना है क्या सामग्री हमारे लिए जरूरी है साथ ही हज यात्रा के दौरान कौन कौन सी चीजे ऐसी है जिन्हें हमें अपनी यात्रा के दौरान पूरा करना है इस दौरान मौलना ने कहा कि केवल पैसे जमा करना ही हज नही है कि आप पैसे जमा कर दें और अपना सफर कर आए बल्कि इसके बाद आपका असली कार्य शुरू होता है सबसे पहले तो हम एक अच्छे नागरिक बनकर सफर करें और अपनी यात्रा पर जाए जिससे हमारे मुल्क का भी अच्छा संदेष जाए इसके साथ ही जिस तरह नमाज के फराइज होते है उसी प्रकार हज के भी फराइज होते है ताकि नमाज सही हो इसी प्रकार हज पर जाने वालों को हज के फराइजों से वाकिफ होंना अति आवष्यक है ताकि हज यात्रा में मक्का मदीना में और भी कई जगह जहां हज यात्री अपनी हज यात्रा के दौरान रहेंगे वहां उन्हें क्या पढ़ना है कैसे रहना है और कैसे अपनी यात्रा पूरी करना है हज जिंदगी में एक बार सभी पर फर्ज है। इस दौरान हज पर जाने वाले यात्रियों के साथ मुस्लिम समाज के कई लोग मौजूद रहें।

बादलों की लुका छुपी, बारिश और गर्मी से मरीजों की बड़ी संख्या

सिरोंज। मई के महीने में भी बारिश जैसे हालात बने हुए हैं। दिनभर बादलों की लुका छुपी होती है साथ ही कई बार बारिश भी हो जाती है इस वजह से मौसम में हो रहा है । प्रतिदिन बदलाव के कारण लोग कई तरह की बीमारियों से पीड़ित हो रहे हैं। इसके चलते अस्पताल में मरीजों की संख्या में भी वृद्धि हो रही है। मौसमी बीमारियों के साथ उल्टी दस्त और पेट दर्द से भी लोग पीड़ित हो रहे हैं । इस वजह से सरकारी अस्पताल से ज्यादा प्राइवेट क्लिनिको पर मरीजों की संख्या देखने को मिलेगी जहां पर मरीजों से मोटी राशि वसूलने का काम किया जा रहा है। वैसे ही अधिकांश क्लिनिकों का संचालन झोलाछाप डॉक्टरों के द्वारा किया जा रहा है। जिनके द्वारा छोटी-छोटी बीमारी के लिए भी बोतल चढ़ाने का काम कर दिया जाता है, एंटीबायोटिक दावों का भी उपयोग भारी मात्रा में किया जा रहा है। दूसरी ओर मौसम में हो रहे बदलाव के कारण इस तरह की स्थिति निर्मित हो रही है ।कभी बारिश के कारण तापमान गिर जाता है तो कभी बादलों की लुका छुपी उमस बढ़ जाती है। जहां सुबह गर्मी का प्रकोप रहता है बादलों के साथ बारिश भी हो जाती है। रविवार को तो दिन भर लो गर्मी के चलते घरों नहीं निकले छुट्टी के कारण सड़के खाली नजर आ रही थी बाजार में भी सन्नाटा छाया हुआ था अधिकांश दुकानें बंद थी। मौसम विभाग के द्वारा आने वाले दिनों में इसी तरह का मौसम रहने का अनुमान जाता है। वहीं मौसम के उतार-चढ़ाव से सबसे ज्यादा परेशानी हो रही है। गर्मी अधिक बढ़ने की भविष्यवाणी भी की गई है आने वाले कुछ दिनों के लिए।

विधायक के पत्र के बाद नींद से जागे जिम्मेदार, पानी के लिए हो रही है किल्लत

जल संकट की आहट के बीच, नपा प्रशासन ने करवाए बोर

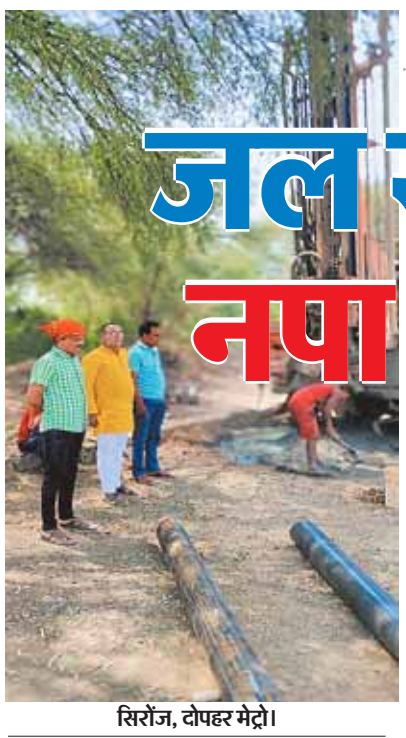

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

बरसात कम होने के कारण केथन डेम में चांद दिनों का ही पानी बचा हुआ है। इसके बाद भी नगर पालिका प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारी तथा जनप्रतिनिधि स्वीकृत होने के बाद भी बोर नहीं करवा पाए थे। पिछले दिनों विधायक उमाकांत शर्मा के द्वारा नगर वासियों की समस्या को दृष्टिगत रखते हुए पानी को लेकर क्या कार्य बनाई गई है कितने कुओं की मरम्मत कराई गई हैं। जिन क्षेत्रों में पानी को लेकर समस्या उत्पन्न होगी वहां पर क्या इंतजाम किए जाएंगे कहां से पानी की व्यवस्था की जाएगी उसको लेकर पत्र लिखा था। इसके उपरांत मुख्य नगर पालिका अधिकारी से लेकर नगर पालिका परिषद के जिम्मेदार भी हरकत में आए और आनंद फानन में नवीन बोर करवाए हैं । वैसे यह काम 1 महीने पहले नगर पालिका प्रशासन को करवा कर इन बोरो से पानी की सप्लाई नगर पालिका की लाइनों के माध्यम से करवानी थी पर विधायक की चिंता के बाद नगर पालिका परिषद के अधिकारी इस काम को करवा पा रहा है। इस बात से अंदाजा लगाया जा सकता है कि नगर पालिका के अधिकारियों को पानी की समस्या से ज्यादा कुछ लेना देना नहीं है। लेकिन स्थानीय विधायक के द्वारा हर गतिविधि पर नजर रखी जाती है उसी के चलते उन्होंने पत्र लिखकर नगर पालिका प्रशासन को चेताया। बोर करवाने में इतने समय लग गया वहीं देखना है कि इन बोरो का पानी नगर पालिका की में लाइनों में जोड़ने में कितना समय लगेगा। पानी की समस्या को देखते हुए तत्काल इस काम को करवाना चाहिए मुख्य नगर पालिका अधिकारी को पानी की समस्या को दृष्टिगत रखते हुए गंभीरता से इस काम करवा ना थ पर इनकी उदनशीलता से हालत बिगड़ रहे हैं । जबकि विधानसभा चुनाव से पहले विधायक उमाकांत शर्मा ने पानी की समस्या को देखते हुए स्थानीय एसडीएम के पैर पकड़ कर पानी की समस्या को दूर करने के लिए ज्ञापन दिया था इसके बाद यह वीडियो वायरल हुआ और एसडीएम ने भी तत्काल उचित इंतजाम करने के निर्देश दिए थे।

विधायक की चिंता नगर वासियों को ना हो पानी के लिए परेशानी

डेम के पानी के हालात को देखते हुए नपा प्रशासन ने विधायक उमाकान्त शर्मा के निर्देश पर नागरिको को पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराने के लिए शहर के चयनित पाँच स्थान जहाँ पर पेयजल की आपूर्ति के लिए पानी उपलब्ध कराना मुश्किल हो रहा था उन स्थानों का चयन करके बोर करवाएं है। जिसमें आयोध्या बस्ती, भैरव पठार, ईदगाह, हाइस्कूल तथा कार्तिक घाट इलाके में यह बोरबेल करवाए गए है। इनको पानी को मेंन सप्लाई लाइन से जोड़कर आपूर्ति की जाएगी। रविवार को नपाध्यक्ष मनमोहन साहू, नपा उपाध्यक्ष मनोज साईनाथ, पार्षद जयनारायण सेन, सचिन शर्मा ने मौके पर पहुँचकर बोरिंग से निकलने वाले पानी के प्रेशर तथा गहराई की जानकारी ली।

जलस्तर गिर जाने से ट्यूबबेलों में भी नही निकला पर्याप्त पानी

हालांकि नपा प्रशासन ने विगत दिनों विधायक उमाकांत शर्मा के पत्र के उपरांत आनन फानन में बोरबेल करने के प्रयास तो किए है। परंतु विगत वर्ष हुई कम वर्षा के कारण भूमिगत जल स्तर अत्याधिक नीचे चले जाने के कारण यह बोरबेल कितना साथ दे पाएंगे यहां तो आने वाले समय में पता चलेगा । इसके अलावा हाजीपुर ओर छतरी साईड के इलाकों के रहवासियों के लिए पानी उपलब्ध कराने के लिए कुछ कुओं में मोटर डालकर तथा बोरबेल से मेंनलाइन को जोड़ने का प्रयास किया है। जिस कारण यहाँ हाजीपुर छतरी पर बनी पानी की टंकी भरने की व्यवस्था हो जाएगी। जिस तरह के प्रयास होने चाहिए थे उस तरह के प्रयास समय रहते नहीं होने के कारण शहर के कई मोहल्ले में पानी के लिए लोग परेशान हो रहे हैं । मजबूरी में प्यास बुझाने के लिए कई किलोमीटर दूर से लोग पानी ला रहे हैं । इसके अलावा आसपास जिन लोगों के बोर हैं उनसे पानी लेकर काम चला रहे हैं । विधायक तो चिंतित हैं पर नगर पालिका प्रशासन उतना चिंतित नहीं जितना उसको चिंतित होना चाहिए।

बाढ़ से बचाव के उपायों की तैयारियों संबंधी बैठक आज

सिरोंज। जिले में बाढ़ एवं राहत कार्यों के संबंध में किए जाने वाले प्रबंधो पर तैयारियों संबंधी बैठक आयोजित की गई है। कलेक्टर बुद्धेश कुमार वैद्य की अध्यक्षता में आयोजित यह बैठक कलेक्टेऊट के बेतवा सभागार कक्ष में टीएल बैठक के उपरांत शुरू होगी। डप्टी कलेक्टर सुश्री निकिता तिवारी ने बताया कि विदिशा में बाढ़ बचाव की पूर्व तैयारियों तथा पूर्व प्रबंधो में सुधार, सुझाव पर आधारित कार्यो के क्रियान्वयन को त्वरित संपादन कराने के उद्धेश्य से आयोजित इस बैठक में विभिन्न विभागो के जिलाधिकारियों को समुचित जानकारियों सहित बैठक में उपस्थित होने के निर्देश प्रसारित किए गए है।

आकांक्षी जिला व ब्लाक संबंधी बैठक आज - नीति आयोग द्वारा विदिशा जिला व बासौदा विकासखण्ड को आकांक्षी जिला व खण्ड की सूची में शामिल किया गया है। नीति आयोग के निर्धारित पैरामीटर अनुसार जिला व बासौदा विकासखण्ड में संचालित प्रोजेक्ट की अद्यतन स्थिति का जायजा लेने के उद्धेश्य से समीक्षा बैठक आयोजित की गई है।

कलेक्टर बुद्धेश कुमार वैद्य की अध्यक्षता में आयोजित यह बैठक सोमवार 20 मई को कलेक्टेऊट के बेतवा सभागार कक्ष में आयोजित की गई है। जिला पंचायत सीईओ डॉ योगेश भरसट ने बताया कि सोमवार को आयोजित होने वाली नीति आयोग के कार्यो की समीक्षा बैठक में केवल महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यो की समीक्षा केपीआई पैरामीटर के आधार पर की जाएगी।

नगर पालिका की हाफिज याकूब बस स्टैंड पर बनी दुकानों की बालकनी हुई क्षतिग्रस्त

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

नपा परिषद के द्वारा हाफिज याकूब बस स्टैंड पर दुकानों के साथ बालकनी का निर्माण जब से करवाया है। उस दिन से आज तक इनकी मरम्मत नहीं होने से कई दुकानें और बालकनी क्षतिग्रस्त होने से जगह-जगह से इसका प्लास्टर अपने आप गिरने लगा है। कई जगह लोहे का सरिया भी दिखाई देने लगा है जल्दी ध्यान नहीं दिया गया तो यह किसी दिन गिर भी सकती हैं। बस स्टैंड होने के कारण यात्रियों का भी इस बालकनी में आना-जाना होता है उसके बाद भी नपा परिषद के द्वारा क्षतिग्रस्त हो चुकी बालकनी की मरम्मत नहीं करवाई जा रही है। बैसे अधिकांश बालकनी पर अधिकांश दुकानदारों ने यहां पर कब्जा करके दुकानों का सामान रख लिया है । उसको हटाने का काम भी नहीं किया जा रहा है। इसकी जानकारी होने के बाद भी लगा नाप के जिम्मेदारियां के द्वारा कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है समय रहते ध्यान नहीं दिया गया तो किसी दिन बड़ी दुर्घटना भी घटित हो सकती है। शायद नगर पालिका के अधिकारी दुर्घटना होने का इंतजार कर रहे हैं उसके बाद ही ध्यान देंगे। तभी तो पिछले दिनों पत्रकार भवन का छज्जा भी गिर गया था उसकी मरम्मत भी समय रहते नहीं कराई गई थी ऐसे हाल कई बार पुराने भावनाओं और दुकानों में से हो रहे हैं इसके बाद भी इन दुकानों और बालकनी की मरम्मत नहीं करवाई जा रही है।

किसी भी दिन हो सकता है बड़ा हादसा

इनका कहना है -

यदि ऐसा है तो मैं दिखा कर इनकी मरम्मत के लिए प्लान करेंगे ।

***अखिलेश मास्कुले,** इंजीनियर नगर पालिका*

भीषण गर्मी के बीच, बिजली वितरण कंपनी कर रही मेंटेनेंस, उपभोक्ताओं को हो रही है परेशान

सिरोंज। बिजली वितरण कंपनी के द्वारा बैसे तो अब हर महीने ही लाइनों का मेंटेनेंस के साथ फील्डर का रखरखाव करवाया जाता है। नहीं तो पहले बारिश के मौसम को देखते हुए ही लाइनों का मेंटेनेंस होता था। इसके बाद भी बिजली की लुका छुपी से उपभोक्ताओं को मुक्ति नहीं मिल पा रही है। रविवार को भी शहर के कई क्षेत्रों में मेंटेनेंस के लिए सप्लाई बंद की गई थी इस वजह से गर्मी के कारण लोगों की हालत खराब हो रही है । वैसे ही गर्मी के कारण कूलर पंखे साथ नहीं दे रहे हैं । इसी बीच बिजली की घोषित कटौती ने लोगों को परेशानियों बढ़ा दी हैं। बिजली की कटौती को रोकने के लिए बिजली वितरण कंपनी के अमले के द्वारा धरातल पर सही तरह से नहीं किया जा रहा या फिर इसमें लगने वाले सामान निम्न स्तर का है इस वजह से समस्या कम होने की बढ़ती जा रही है। जैसे ही लोड बढ़ता है तो लाइन फाइट हो जाती है। इस वजह से का घंटे बिजली गुल रहने से लोगों की मुश्किल में बढ़ जाती हैं। व्यापारियों को भी बिजली नहीं होने से परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, इनका व्यापार भी प्रभावित हो रहा है। आखिर इस समस्या का समाधान पूरी तरह क्यों नहीं किया जा रहा है।

मेट्रो एंकर ग्राम पंचायत में भ्रष्टाचार, जिम्मेदार अधिकारियों को क्यों नहीं देता दिखाई ?

कमाऊ पूत ग्राम पंचायत के सरपंच सचिव पर जांच और कार्यवाही की आंच नहीं

ग्राम पंचायत में किये गये भ्रष्टाचार की कहानी को खुद बोलते दस्तावेजों की जुबानी

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

जनपद पंचायत नटेरन के शमशाबाद क्षेत्र अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत बरोदिया में नई-नई तरकीब और बिना किसी भय के भ्रष्टाचार किया जा रहा है। क्योंकि ग्राम पंचायत द्वारा किये जा रहे भ्रष्टाचार की खबर प्रकाशित होने बाद भी जनपद पंचायत में बैठे हुऐ जिम्मेदार अधिकारी कार्यवाही करने के स्थान पर हाथ पर हाथ धरे बैठे हुऐ हैं।

क्योंकि भ्रष्टाचार से जुड़ा हुआ ऐसा ही मामला ग्राम पंचायत बरोदिया का सामने आया है,जहां पर ग्राम पंचायत के सरपंच पति एवं सचिव द्वारा सरंपच पति के रिश्तेदार के खाते में लाखों रुपये का भुगतान किया गया है। एवं सूत्रों से प्राप्त जानकारी अनुसार बिना स्टीमेट के ही 75000 रुपये की एलईडी टीवी क्रय की गई और 37560 रूपये का इंवेटर क्रय किया गया एवं साफ सफाई,रास्ता सुधार के नाम पर सरपंच पति के रिश्तेदार के खाते में ग्राम पंचायत द्वारा लाखों रुपये का भुगतान कर के भ्रष्टाचार किया गया, वही ग्राम पंचायत का एक दूसरा और काला कारनामा भी सामने आया है जहां पर ग्राम पंचायत सचिव ने अपने किसी रिश्तेदार के खाते में भी भुगतान किया है। ग्राम पंचायत में इतना सब कुछ होने के बाद भी जिला पंचायत एवं जनपद पंचायत में बैठे किसी भी जिम्मेदार अधिकारी को ना तो भ्रष्टाचार दिखाई देता है। और नाही कार्यवाही करने की हिम्मत दिखाते हैं क्योंकि इन सब लोगों पर गांधी छाप चश्मे का जो प्रभाव है। सरपंच पति द्वारा रमेश गूजर नामक व्यक्ति से आधी रात को फोन लगवाता है और सरपंच पति घनश्याम बंजारा इस मोबाईल नं से काल करके 918964983795 कभी मिलने को शमशाबाद कभी नटेरन बुलाता है। और धमकी भरे लहजे में बात करता है,यदि ग्राम पंचायत बरोदिया की अधिकारी निष्पक्षता से जांच करवाते हैं तो भ्रष्टाचार की परत दर परत खुलती जायेगी।

मिशन ओलंपिक: चयन के लिए कड़ी मेहनत

नईदिल्ली, एजेंसी

हर एथलीट का सपना ओलंपिक खेलों में देश का प्रतिनिधित्व करना होता है और इसके लिए वे काफी कड़ी मेहनत भी करते हैं, लेकिन खिलाड़ियों की सफलता में उनके माता-पिता की भी अहम भूमिका होती है। इसका उदाहरण भोपाल शूटिंग रेंज में देखा जा सकता है, जहां पेरिस ओलंपिक 2024 के ट्रायल्स चल रहे हैं। इस दौरान अपने बच्चों का मनोबल बढ़ाने के लिए उनके माता-पिता भी साथ आए हैं और कड़ी धूप में पसीना बहा रहे हैं।

बेटियों की सुरक्षा भी जरूरी

ट्रायल में शामिल ज्यादातर महिला निशानेबाजों के साथ उनके पिता मौजूद हैं। इस बारे में ओलंपिक कोटा हासिल करने वाली शूटर पलक गुलिया के पिता जोगिंदर ने कहा, हमारे लिए अपनी बेटियों की सुरक्षा भी अहम हैं। हम यहां उनका समर्थन करने के लिए भी हैं। मैं चाहता हूं कि मेरी बेटी एक दिन ओलंपिक में पदक जीते। बात पैसों की नहीं बल्कि गर्व करने की है।

मनु को परफॉर्म करते नहीं देख सकते

मौसम काफी गर्म है और तापमान करीब 40 डिग्री है। इस कड़ी गर्मी में ओलंपियन मनु भाकर की मां सुमेधा भाकर केंद्रीय लॉन में बैठी हैं, जिसके ऊपर कोई छत नहीं है। वह हल्के ब्राउन कलर का चश्मा पहने हुई हैं जो इस धूप से बचने का उनका पास एकमात्र सहारा है। कुछ देर बैठे रहने के बाद वह उठती हैं और उस हॉल की तरफ बढ़ती है, जहां 10 मीटर क्वालिफिकेशन चल रहे हैं, लेकिन उनकी हिम्मत इस दरवाजे को पार करने की नहीं होती।

तनाव में आ जाती हूं - सुमेधा ने कहा, मुझे उसे परफॉर्म करते हुए नहीं देखा जाता क्योंकि इससे मैं काफी तनाव में आ जाती हूं। इस कारण कड़ी धूप के बावजूद मैं यहां बाहर ही बैठी हूं।

आईपीएल का आखिरी लीग मैच बारिश में धुला

प्लेऑफ शेड्यूल : 21 को केकेआर व एसआरएच के बीच क्वालिफायर-वन

लांस एंजिलिस

आईपीएल का लीग राउंड समाप्त हो चुका है। सीजन का आखिरी लीग मैच बारिश के नाम रहा। ऐसे में कोलकाता नाइट राइडर्स और राजस्थान रॉयल्स को एक-एक पॉइंट मिला। इन पॉइंट्स के साथ कोलकाता (20 पॉइंट) ने पहले और राजस्थान (17 पॉइंट) ने तीसरे स्थान के साथ फिनिश किया। वहीं, दिन का पहला मैच जीतकर सनराइजर्स हैदराबाद (17 पॉइंट) दूसरे और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (14 पॉइंट) चौथे स्थान पर रही।

कोलकाता और हैदराबाद के बीच 21 मई को अहमदाबाद में क्वालिफायर-1 मैच खेला जाएगा। इसे जीतने वाली टीम 26 मई को चेन्नई में होने वाले फाइनल का टिकट हासिल करेगी, जबकि हारने वाली टीम को 24 मई को क्वालिफायर-2 में एलिमिनेटर के विजेता से खेलना होगा। एलिमिनेटर मैच 22 मई को राजस्थान और बेंगलुरु के बीच होगा। क्वालिफायर-1 और क्वालिफायर-2 जीतने वाली टीमों के बीच फाइनल होगा।

एसआरएच टी-20 लीग में सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाली टीम बनी

आईपीएल में रविवार को हुए डबल हेडर के पहले मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद ने पंजाब किंग्स को 4 विकेट से हराया। राजीव गांधी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में पंजाब ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग का फैसला लिया। पंजाब किंग्स ने 5 विकेट खोकर पहली पारी में 214 रन बनाए। जवाब में हैदराबाद ने 6 विकेट खोकर 19.1 ओवर में टारगेट चेज कर लिया। कोलकाता नाइट राइडर्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच होने वाला इंडियन प्रीमियर लीग-2024 का आखिरी लीग मैच बारिश के कारण रद्द हो गया है। एसआरएच ने दूसरी बार सबसे बड़ा रन चेज किया। टीम ने 215 रन बनाए। वहीं, स्का। किसी मेंस टी-20 क्रिकेट लीग में सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाली टीम बनी। वहीं, हर्षल पटेल ने पंजाब के लिए सीजन में सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में एंड्रयू टाई की बराबरी की।

विराट कोहली लीग राउंड के टॉप स्कोरर

ऋष्क के विराट कोहली लीग राउंड के टॉप स्कोरर रहे। उन्होंने 14 मैचों में 155.60 के स्ट्राइक रेट से 708 बनाए। कोहली ने एक शतक और 5 अर्धशतक जमाए।

हर्षल पटेल लीग के टॉप विकेट टेकर

पंजाब किंग्स के तेज गेंदबाज हर्षल पटेल लीग राउंड के टॉप विकेट टेकर रहे। उन्होंने 14 मैचों में 24 विकेट लिए।

अभिषेक शर्मा ने जमाए सबसे ज्यादा छक्के

स्का। के ओपनर अभिषेक शर्मा ने मौजूदा सीजन के लीग राउंड में सबसे ज्यादा छक्के जमाए। वे 14 मैचों में 41 छक्के जमा चुके हैं।

टेनिस इटेलियन ओपन: अलेजांद्रो व टॉमी हारे

ज्वेरेव और निकोलस में होगी खिताबी भिड़ंत

रोम, एजेंसी

विश्व रैंकिंग में पांचवें नंबर के खिलाड़ी एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने इटेलियन ओपन के फाइनल में प्रवेश किया और दूसरी बार खिताबी जीत की ओर कदम बढ़ाया। 2017 के चैंपियन जर्मनी के 27 वर्षीय ज्वेरेव ने सेमीफाइनल में चिली के अलेजांद्रो ताबिलो को 1-6, 7-6, 6-2 से मात दी। फाइनल में वह रविवार को चिली के निकोलस जेरी से भिड़ेंगे, जिन्होंने सेमीफाइनल में अमरीका के टॉमी पॉल को 6-3, 6-7, 6-3 से हराया था।

जर्मन खिलाड़ी का पलड़ा भारी: ज्वेरेव और जेरी के बीच कुल छह बार भिड़ंत हुई हैं। इसमें से जर्मन खिलाड़ी ज्वेरेव ने कुल चार मुकाबले जीते हैं जबकि दो में जेरी को शिकस्त मिली है।

ल्योन ने रेकॉर्ड 17वां खिताब जीता

फुटबॉल: फ्रेंच लीग के फाइनल मैच में पीएसजी को दी शिकस्त

ल्योन, एजेंसी

ल्योन ने शुक्रवार को यहां शानदार प्रदर्शन करते हुए पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) को 2-1 से शिकस्त देकर रेकॉर्ड 17वां फ्रेंच महिला लीग का खिताब जीता। टीम ने 17 घरेलू खिताब पिछले 18 सीजन में जीते हैं। पेरिस सेंट जर्मेन ने 2021 में उन्हें हराकर खिताबी सफलता हासिल की थी। डेल्फिन कैस्कारिनो ने 18वें मिनट में ल्योन को बढ़त दिलाई, जिसे कडिडियाटौ ने 22वें मिनट में दोगुना कर दिया। वहीं, पीएसजी के लिए चाविंगा ने 73वें मिनट में एकमात्र गोल किया।

मुक्केबाजी: एलोर्डो कप में भारत ने 12 पदक जीते

रोम, एजेंसी

अस्ताना. भारतीय महिला मुक्केबाज निखत जरीन और मीनाक्षी के स्वर्ण समेत कुल 12 पदक जीत भारत ने शनिवार को एलोर्डा कप में अपने अभियान का समापन किया। भारतीय मुक्केबाजों ने दो स्वर्ण, दो रजत और आठ कांस्य पदक जीते और पिछले संस्करण के पांच पदकों के रेकॉर्ड को बेहतर बनाया। स्वर्ण पदक मुकाबले में भारतीय महिला मुक्केबाज निखत जरीन ने 52 किग्रा में कजाकिस्तान की जजीरा उराकबायेवा को 5-0 से शिकस्त दी। इससे पहले, मीनाक्षी ने 48 किग्रा में उज्बेकिस्तान की रहमनोवा सैदाहोन को हराकर भारत को दिन का पहला गोल्ड दिलाया। हालाकि अनामिका (50 किग्रा) और मनीषा (60 किग्रा) को अपने-अपने फाइनल मुकाबलों में शिकस्त झेलनी पड़ी और रजत पदक से संतोष करना पड़ा। इस टूर्नामेंट में भारत का कोई भी पुरुष मुक्केबाज स्वर्ण पदक हासिल नहीं कर सका।

मनोरंजन

बॉलीवुड का कोना

रणवीर कपूर की 'रामायण' में रावण के लिए बन रहे असली सोने के कपड़े!

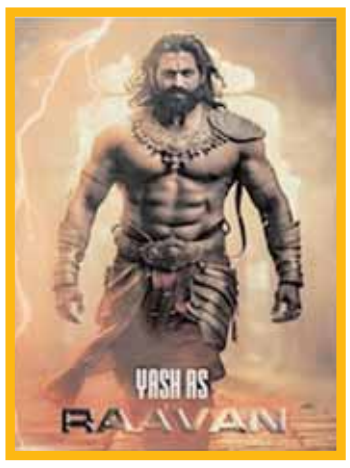

बॉलीवुड सुपरस्टार रणवीर कपूर और नितेश तिवारी की आगामी फिल्म 'रामायण' लगातार सुर्खियों में बनी हुई है। फिल्म से जुड़ी हर अपडेट जानने के लिए दर्शक बेताब हैं। इस फिल्म में रणवीर भगवान राम की भूमिका में नजर आएंगे, वहीं, माता सीता की भूमिका साई पल्लवी निभा रही हैं। पहले चर्चा थी कि 'केजीएफ' स्टार यश इसमें रावण का किरदार निभाएंगे। हालांकि, उन्होंने इसे करने से मना कर दिया। अब एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि रामायण में रावण की भूमिका के लिए असली सोने से बने कपड़े बन रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, रावण ने सोने की लंका में राज किया था। इसके चलते रावण के किरदार के लिए असली सोने से बनी पोशाक तैयार की जा रही हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि रावण के लिए जो कपड़े बनाए जा रहे हैं, वे असली सोने के हैं। असली सोने का उपयोग इसलिए किया जा रहा है, क्योंकि रावण श्रीलंका के राजा थे। उस सदी में लंका सोने की थी। इसलिए उनके सभी कपड़े, जो भी उपयोग किए जा रहे हैं, असली सोने से बने हैं। यश के मना करने के बाद दर्शक ये जानने के लिए उत्सुक हैं कि आखिर नितेश तिवारी की रामायण में रावण की भूमिका कौन निभाएगा। इसके साथ ही ताजा रिपोर्ट के अनुसार, 'रामायण' के मुनाफे का 20 से 30 प्रतिशत के बीच यश को मिलने की संभावना है। पिछले महीने की शुरुआत में यश ने इस बात की पुष्टि की थी कि वह सह-निर्माता के रूप में 'रामायण' में शामिल होंगे।

मेट्रो बाजार

दालों में उबाल, 31 फीसदी महंगी, 250 प्रति क्विंटल तक बढ़े दाम

नईदिल्ली, एजेंसी

दालों में तेजी का दौर बना हुआ है। घरेलू स्टॉक सहित शादी-विवाह में मांग बनी रहने एवं मिलों से आवक कम होने से दाल मार्केट तेज हो चला है। सबसे ज्यादा तेजी तुअर दाल में है। हालांकि सरकार की जमाखोरों पर सख्ती है, बावजूद भावों में मंदी की संभावना नहीं है। दाल कारोबारी सचिन संगतानी बताते हैं कि मौसम में गड़बड़ी से दाल उत्पादक राज्य महाराष्ट्र और कर्नाटक में फसल कमजोर उतर रही है। विदेशों से आने वाली तुअर भी भारत तक कम आ रही है। इससे दाल बाजार में तेजी है। देश में 70 फीसदी दालों का आयात किया जाता हैं। दालों में खासकर तुअर दाल का बाजार गरम होने से ग्राहकों को थोड़ा रुकना चाहिए। ऐसा जानकारों का कहना है। चूंकि आगे जल्द ही मूंग की फसल मंडियों में उतरने वाली है। मूंग दाल की आवक बढ़ने और तुअर दाल की मांग कम होने से तुअर दाल की कीमतों में गिरावट आने की संभावना है। इस साल मध्यप्रदेश में मूंग की खेती बढ़कर 13 लाख हैक्टेयर में हुई है। इसलिए मूंग की फसल जोरदार उतरेगी। इससे दाल बाजार में ठंडक आएगी। अभी दालों का उठाव सीजनली बना हुआ है। चारों तरफ से डिमांड बनी हुई है। सरकार भी स्टॉक पर नजर बनाए हुए है लेकिन ऊपर से ही तेजी चलने से स्थानीय बाजारों में दाल बाजार में गरमी बनी हुई हैं। भोपाल व्यापारी महासंघ की और से रमाकांत तिवारी ने बताया कि चौमासे के लिए दालों का घरेलू स्टॉक किया जाता है। मूंग की फसल आने पर सभी दालों के भाव में नरमी बन सकती है। दाल की बढ़ती कीमतों ने सरकार को भी परेशानी में डाल दिया है। कहा जा रहा है कि कुछ लोग दालों की कीमतों में हेराफेरी कर रहे हैं। थोक में दालों की कीमत पिछले कुछ ही दिनों में 200 से 250 रुपए क्विंटल तक बढ़ गई है।

भंसाली ने 'लव एंड वॉर' के लिए तैयार किया गाना, बोले- इस ट्रैक के बिना अधूरी होगी फिल्म

'हीरामंडी' की सफलता के बाद अब संजय लीला भंसाली अपनी अगली फलम 'लव एंड वॉर' के निर्माण में व्यस्त हो गए हैं। फिल्म निर्माता ने खुलासा किया है कि उन्होंने एक गाना तैयार किया है। फिल्म निर्माता और निर्देशक संजय लीला भंसाली इन दिनों वेब सीरीज 'हीरामंडी द डायमंड बाजार' की सफलता का आनंद ले रहे हैं। वहीं अब उनका अगला प्रोजेक्ट फिल्म लव एंड वॉर है, जिसमें बॉलीवुड अभिनेता रणबीर कपूर, आलिया भट्ट और विक्की कौशल नजर आएंगे। फिल्म की आधिकारिक एलान जनवरी 2024 में की गई। हाल ही में दिए साक्षात्कार में संजय लीला भंसाली ने फिल्म से जुड़ी कुछ जानकारियां साझा कीं

फिल्म के लिए बेहद जरूरी वह गाना: भंसाली ने फिल्म से संगीत के बारे में जानकारी साझा की है। फिल्म निर्माता ने खुलासा किया कि उन्होंने 'लव एंड वॉर' के लिए एक गाना बनाया है। उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं पता कि वे फिल्म में गाना कहां फिट करेंगे, लेकिन वे जानते है कि उस ट्रैक के बिना फिल्म अधूरी होगी। गाने पर चर्चा करते हुए उन्होंने संगीत के जॉनर का भी खुलासा किया।

ऐसा होगा फिल्म का गाना: संजय लीला भंसाली ने कहा, मैंने लव एंड वॉर के लिए एक गाना बनाया है और मुझे नहीं पता कि मैं इसे कहां फिट करूंगा, लेकिन मैंने इसे बना लिया है। अब मैं एक रास्ता ढूंढूंगा और मुझे पता है कि वह गाना फिल्म में होना ही चाहिए। मैं यह भी जानता हूं कि उस गाने के बिना फिल्म अधूरी होगी। साथ ही उन्होंने खुलासा किया है कि वह संगीत बेहद सहज है।

'चंदू चैंपियन' ट्रेलर लॉन्च पर महिला पुलिस अधिकारी को देख शरमाए कार्तिक आर्यन

कार्तिक आर्यन की फिल्म 'चंदू चैंपियन' का ट्रेलर लॉन्च इवेंट उनके होम टाउन ग्वालियर में रखा गया था। इस दौरान एक महिला पुलिस अधिकारी को देखकर कार्तिक का चेहरा शर्म से लाल हो गया। कार्तिक का यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। कार्तिक आर्यन इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'चंदू चैंपियन' को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। ट्रेलर लॉन्च होने के बाद से फैंस भी इस फिल्म का बसब्री से इंतजार कर रहे हैं। ट्रेलर लॉन्च इवेंट कार्तिक के होम टाउन ग्वालियर में रखा गया था। ट्रेलर में कार्तिक का लुक काफी चौंका देने वाला है। ट्रेलर लॉन्चिंग के दौरान कार्तिक का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें एक महिला पुलिस अधिकारी गर्मजोशी से कार्तिक का स्वागत करती दिख रही हैं। इस वायरल वीडियो में एक महिला पुलिस अधिकारी हाथ में गुलाब पकड़े हुए नजर आ रही हैं। कार्तिक आर्यन कार से बाहर आते हैं। जैसे ही भीड़ के बीच महिला पुलिस अधिकारी उन्हें गुलाब देने के लिए हाथ बढ़ाती हैं तो वहां पर मौजूद सभी लोग उनके लिए हूटिंग करते दिखाई दिए। यह सब देखकर कार्तिक शरमा गए। कार्तिक का इसी रिएक्शन का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वैसे ऐसा पहली बार नहीं है जब कार्तिक आर्यन को किसी फीमेल फैन से प्यार मिल रहा है। महिलाओं के बीच उनकी बहुत बड़ी फैन फॉलोइंग है। कई बार ऐसा हुआ है जब लड़कियों ने खुलकर उनके प्रति अपने प्यार का इजहार भी किया है। 'चंदू चैंपियन' का ट्रेलर भावनात्मक क्षणों, दमदार एक्शन और हार ना मानने वाले इंसान की असाधारण यात्रा से भरा हुआ है। यह फिल्म एक सैनिक, मुक्केबाज और पहलवान के रूप में कार्तिक आर्यन के उल्लेखनीय परिवर्तन को दर्शाता है। पोस्टर में उनका शरीर कीचड़ में सना था और वह तेजी से दौड़ते दिखाई दिए। बता दें कि फिल्म भारत के पहले पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता मुरलीकांत पेटकर की वास्तविक जीवन की कहानी से प्रेरित है। पोस्टर के साथ कार्तिक ने कैप्शन में लिखा था, चैंपियन आ रहा है.. करियर की सबसे चुनौतीपूर्ण और महत्वपूर्ण फिल्म का पहला पोस्टर साझा करते हुए बेहद उत्साहित और गौरवान्वित हूं।

कपास की कीमतों में गिरावट का दौर जारी, भाव बढ़ने की आस में किसान बेचने से कर रहे परहेज

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र की अधिकतर मंडियों में कपास का भाव न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से ज्यादा है उसके बावजूद किसान और अधिक दाम मिलने की आस में बैठे हैं। इससे मंडियों में कपास की आवक घट रही है। दो महीने से कपास की कीमतों में गिरावट का दौर जारी है। दूसरी ओर, किसानों को ऐसा लग रहा है कि इस वर्ष कम उत्पादन के कारण कपास की कीमतों तेजी अवश्य आएगी। किसानों के इसी अनुमान की वजह से मौजूदा समय में मंडियों में कपास की आवक भी घट रही है। कॉटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीएआई) के आंकड़ों के अनुसार कॉटन (कपास शंकर 6) की कीमतों में पिछले दो महीनों से लगभग 8 प्रतिशत की गिरावट आई है। कपास की कीमतें गिरकर 16,057 रुपये प्रति क्विंटल हो गई हैं। जबकि दो महीने पहले 15 मार्च 2024 को इसी कपास के लिए 17,434 रुपये प्रति क्विंटल की बोली लग रही थी। वहीं, एक साल पहले शंकर 6 किस्म के कपास का भाव 16,759 रुपये प्रति क्विंटल था। जानकारों के अनुसार यदि कपास के भाव में गिरावट इसी तरह जारी रही तो इससे किसानों को मुश्किल हो सकती है। चाहे वे इसे स्टोर करें या बेच दें पर उनको परेशानी झेलनी पड़ सकती है। महाराष्ट्र की अधिकतर मंडियों में कपास का भाव न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से ज्यादा है उसके बावजूद किसान और अधिक दाम मिलने की आस में बैठे हैं। इससे मंडियों में कपास की आवक घट रही है। कॉटन एसोसिएशन के नए अनुमान के मुताबिक अक्टूबर-मार्च के दौरान कॉटन निर्यात 137 प्रतिशत बढ़कर 18 लाख गांठ पहुंच गया था। जबकि पिछले साल की समान अवधि में निर्यात 7.59 लाख गांठ का रहा था। सीएआई के नए अनुमान के अनुसार आने वाले समय में कपास की आवक में व कमी रहने की आशंका है।

राजधानी के नारियलखेड़ा स्थित गोट फॉर्म में सबसे वजनी बकरे व अन्य कोली बकरों की नुमाइश की गई। इसमें टोरंटो नाम का 161 किलो का बकरा 7.50 लाख रूपये में बिका। छाया- निर्मल व्यास

अल्पना तिराहा पर गैंगवार

कार से टक्कर मार स्कूटर गिराई फिर फायरिंग करते हुए चाकूबाजी

एक युवक गंभीर, जांघ में लगी गोली, आज तड़के साढ़े तीन बजे के आसपास हुआ हुई वारदात

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मंगलवारा थाना क्षेत्र स्थित अल्पना तिराहा पर आज त?के करीब सा? तीन बजे कार सवार बदमाशों ने एक्टिवा सवार युवकोंको टक्कर मारकर गिरा दिया। टक्कर मारने के बाद कार से उतरे आरोपियों ने एक युवक पर फायर करते हुए चाकू और तलवार से हमला कर दिया। फायर होने से गोली युवक की जांघ को चीरती हुई निकल गई, जबकि चाकू और तलवार से हमला होने के कारण उसे गंभीर चोट आई है। पुलिस ने घायल की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास समेत अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। हमलावर बजरिया इलाके के रहने वाले बताए जा रहे हैं। थाना प्रभारी अजय कुमार सोनी ने बताया कि 28 साल का आमिर अली, नवीन नगर ऐशबाग में रहता है। आज सोमवार त?के आमिर अली और बिट्टू एक्टिवा से हमीदिया अस्पताल जा रहे थे। एक अन्य एक्टिवा पर आमिर के जीजा और अन्य साथी था। अल्पना तिराहा पर पहुंचते ही कार से आए बदमाशोंने आमिर की स्कूटर को टक्कर मार दी। टक्कर मारने से आमिर और उसके साथ बैठा बिट्टू सड़क पर गिर गए। उनके गिरते ही कार से तलवार और चाकू लेकर उतरे बदमाशों ने आमिर को घेर लिया और उससे मारपीट करने लगे। आरोपियों ने पहले उस पर फायर किया था। फायर होने से गोली आमिर की जांघ को चीरते हुए निकल गई। इसके बाद भी आरोपियों ने उसे नहीं छोड़ा और मारपीट करते हुए चाकू समेत तलवार से हमला कर दिया।

जीजा और साथी पहुंच गए थे आगे

पुलिस ने बताया कि नवीन नगर से आमिर, बिट्टू और जीजा समेत अन्य साथी नवीन नगर से स्कूटर लेकर साथ निकले थे। अल्पना तिराहा पहुंचते तक जीजा और साथी की स्कूटर आगे निकल गई थी। आमिर और बिट्टू पीछे रह गए थे।

पुरानी रंजिश में गैंगवार

पुलिस ने बताया कि हमलावर बजरिया थाना क्षेत्र स्थित गरम गड्ढा के रहने वाले हैं। प्रारंभिक पूछताछ में यह बात सामने आई कि नवीन नगर ऐशबाग निवासी आमिर अली से उनकी पुरानी रंजिश है। इसी का बदला लेने आरोपियों ने वारदात को अंजाम दिया है।

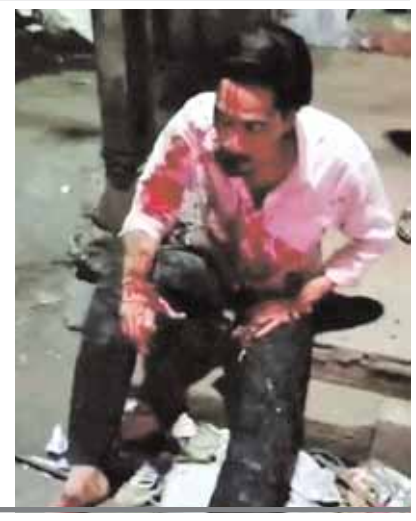

युवक पर बदमाशों ने किया चाकू से हमला, केस दर्ज

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

ऐशबाग थाना क्षेत्र स्थित पुष्पा नगर में कल शाम दो बदमाशों ने एक युवक पर चाकू से हमला कर दिया। चाकू का हमला हाथ से रोकने के कारण उसे हाथ में गंभीर चोट आई है। उसे अस्पताल ले जाया गया था, वहां इलाज के दौरान छुट्टी दे दी गई। पुलिस ने युवक की शिकायत पर दोनों आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है। आरोपी इलाके के निगरानी बदमाश बताए जा रहे हैं। पुलिस के अनुसार ज्ञानोदय स्कूल के पास रहने वाला रवि कुशवाह पिता गोकुल प्रसाद कुशवाह (18) प्राइवेट काम करता है। उसने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि रविवार शाम वह पुष्पा नगर चौराहा से चाय पीकर लौट रहा था, तभी खुशी किराना स्टोर के पास उसे अरबाज नाड़ा और अमन बच्चा मिल गए। अरबाज कहने लगा कि तुझे और फिरोज को पहले भी समझाया था कि साथ में न रहें। बावजूद इसके तेरे समझ नहीं आ रही है। आरोपी रवि कुशवाह के साथ गालीगलौज कर रहे थे। रवि ने उन्हें गाली देने से मना किया तो अरबाज ने छुरी निकालकर रवि पर हमला कर दिया। रवि ने पुलिस को बताया कि अरबाज ने छुरी से उसके गले पर हमला किया था। इस दौरान उसने हमला बाएं हाथ से रोक लिया। नहीं तो छुरी उसके गले पर लगती और जान जा सकती थी। छुरी का हमला हाथ से रोकने के कारण उसके बाएं हाथ में गंभीर चोट आईड़है। पुलिस ने बताया कि अरबाज नाड़ा और और अमन बच्चा इलाके के निगरानी बदमाश है। अरबाज पर दो अपराध पहले से दर्ज है। इसी प्रकार अमन पर कुल 9 अपराध दर्ज है।

बेटे के पास सिंगापुर गई महिला के सूने मकान पर चोरों का धावा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

गौतम नगर स्थित एक महिला के सूने मकान का ताला तोड़कर चोर हजारों का सामान चोरी कर ले गए। महिला करीब तीन महीने पहले घर पर ताला लगाकर अपने बेटे के पास सिंगापुर चली गई थी। पुलिस ने उनके देवर की रिपोर्ट पर अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। महिला के लौटने पर बाद ही चोरी गए सामान की सूची और कीमत का खुलासा हो पाएगा। पुलिस के मुताबिक अरविंद सक्सेना (57) ईसान पार्क कालोनी पिपलानी में रहते हैं। उनकी भाभी सुषमा सक्सेना श्रीनगर कालोनी गौतम नगर में रहती हैं। करीब तीन महीने पहले वह घर पर ताला लगाकर बेटे के पास सिंगापुर चली गई थी। शनिवार सुबह करीब आठ बजे पड़ोसी ने अरविंद को फोन लगाकर भाभी के घर का ताला टूटा होने की जानकारी दी। वह भाभी के मकान पर पहुंचे तो दरवाजे, कमरों और अलमारियों के ताले टूटे मिले और पूरा सामान बिखरा पड़ा था। बाद में उन्होंने थाने जाकर चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई। परिवार वालों के लौटने के बाद ही चोरी गए सामान की सूची और कीमत का पता चल पाएगा। इधर अशोका गार्डन थानांतर्गत अस्सी फीट रोज स्थित हेमंत जैन की दुकान का ताला तोड़कर चोर 40 हजार रुपए कीमत की सिगरेट चोरी कर ले गए। इसी प्रकार गोविंदपुरा थानांतर्गत गायत्री मंदिर के पास गिरीश श्रीमाली की जेब से 24 हजार रुपये कीमत का मोबाइल फोन चोरी हो गया। पुलिस ने दोनों मामलों में अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

बैरागढ़ में फर्जी नंबर प्लेट लगी कार के साथ पकड़ाया युवक

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बैरागढ़ इलाके में ट्रैफिक पुलिस ने एक युवक को फर्जी नंबर प्लेट लगी कार के साथ पकड़ा। उसे पुलिस के सुपुर्द किया गया है।

आरोपी युवक के खिलाफ पुलिस ने फर्जी नंबर प्लेट लगाकर कार चलाने का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक ट्रैफिक एएसआई सुनील पाठक, हेड कांस्टेबल लक्ष्मण और आरक्षक वीरेंद्र सिंह द्वारा रविवार को बैरागढ़ इलाके में यातायात व्यवस्था बनाई जा रही थी। इसी बीच नो पार्किंग में खड़ी एक कार का नंबर पीओस मशीन से सर्च करने के बाद मालिक को फोन लगाया गया। कार मालिक ने बताया कि वह अपने वाहन के साथ बैरसिया है। मामला संदिग्ध होने पर पुलिस ने नो पार्किंग में खड़ी कार पर नजर रखी। कुछ देर बाद एक युवक कार उठाने आया तो पुलिस ने उससे पूछताछ की। युवक ने अपना नाम आदित्य सिंह (36) निवासी सर्वधर्म कालोनी कोलार रोड बताया। पुलिस ने जब सख्ती से पूछताछ की तो उसने फर्जी नंबर प्लेट लगाकर कार चलाना स्वीकार कर लिया। उसके बाद पुलिस ने कार जब्त कर आदित्य सिंह को बैरागढ़ पुलिस के हवाले कर दिया।

नर्सिंग घोटाले का जांच अधिकारी सीबीआई इंस्पेक्टर रिश्वत मामले में गिरफ्तार

अदालत ने आरोपियों को 29 मई तक पुलिस रिमांड पर सीबीआई के सुपुर्द किया

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

नर्सिंग कॉलेज घोटाला मामले की जांच कर रहे सीबीआई के इंस्पेक्टर राहुल राज को केंद्रीय सीबीआई दिल्ली की टीम ने मलय कॉलेज ऑफ नर्सिंग भोपाल के चेयरमैन अनिल भास्करन से 10 लाख रुपए की रिश्वत लेने के आरोप में रविवार को गिरफ्तार किया है। सीबीआई दिल्ली की टीम ने राहुल राज को रिश्वत देने के आरोप में कॉलेज ऑफ नर्सिंग भोपाल के चेयरमैन अनिल भास्करन, प्रिंसिपल सूना अनिल भास्करन और मीडियेटर सचिन जैन को भी गिरफ्तार किया है। केंद्रीय सीबीआई दिल्ली की टीम ने चारों आरोपियों को देर रात जिला अदालत भोपाल में रिमांड ड्यूटी पर तैनात अपर सत्र न्यायाधीश जैनुल आब्दीन की कोर्ट में पेश कर पूछताछ करने के लिए 29 मई तक पुलिस रिमांड पर दिए जाने का अनुरोध किया था। अपर सत्र न्यायाधीश जैनुल आब्दीन केंद्रीय सीबीआई दिल्ली की टीम के अनुरोध को स्वीकार कर चारों आरोपियों को 29 मई तक पुलिस रिमांड पर सुपुर्द किए जाने के आदेश दिए। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार नर्सिंग कॉलेज घोटाले मामले की जांच कर रहे सीबीआई के इंस्पेक्टर राहुल राज सुटिवलिटी रिपोर्ट सही देने के नाम पर रिश्वत ले रहे थे।

चक्कर खाकर गिरी महिला की हो गई मौत

भोपाल। चूनाभट्टी इलाके में रहने वाली महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे थे, जहां कुछ देर बाद डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद ही मौत के सही कारणों का खुलासा हो पाएगा। पुलिस के मुताबिक प्रेरणा श्रीवास्तव (38) चाणक्यपुरी चूनाभट्टी में रहती थी। पिछले दिनों उनके पति काम के सिलसिले में शहर से बाहर गए थे, जबकि अन्य परिजन घर पर थे। शनिवार की शाम को प्रेरणा को चक्कर आया तो वह गिर पड़ीं। घरवाले उन्हें तुरंत ही इलाज के लिए पास के निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उनकी मौत हो गई। प्रारंभिक पूछताछ में पता चला है कि को कुछ बीमारी थी, जिसका इलाज चल रहा था। शाम को दवाई खाने के कुछ देर बाद ही उन्हें चक्कर आया था।

मेट्रो एंकर छह महीने में दुकान खाली करने का बना रहे थे दबाव

मौसेरे भाइयों की मारपीट और दबाव में आकर युवक ने लगाई थी फांसी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

निशातपुरा थाना क्षेत्र स्थित राजवंश होटल के पास रहने वाले एक व्यापारी ने गत 11 मई को अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। पुलिस की जांच में यह बात सामने आई कि उसके मौसेरे भाइयों ने आत्महत्या से पूर्व उसके साथ मारपीट की थी। दरअसल, व्यापारी ने अपने मौसेरे भाइयों से दुकान किराए पर ले रखी थी। इसी दुकान को खाली कराने के लिए आरोपी दबाव बना रहे थे और व्यापारी से मारपीट भी की थी। पुलिस ने मर्ग जांच के बाद दोनों आरोपियों के खिलाफ आत्महत्या के लिए दबाव बनाने का मामला दर्ज कर लिया है।

पुलिस के अनुसार 32 साल का अरविंद जाट राजवंश होटल के पास निशातपुरा में रहता था। नारायण जाट और रघुवर सिंह जाट उसके मौसेरे भाई है। अरविंद ने उनकी दुकान किराए पर ली थी। अरविंद ने दुकान में छह लाख रुपए लोन लेने के बाद माल भरा था। महज छह महीने बीते और आरोपी कहने लगे कि दुकान खाली कर दो, जबकि अरविंद और आरोपियों के बीच 11 महीने का एग्रीमेंट हुआ था। एग्रीमेंट के तहत दुकान 11 महीने बाद ही खाली की जा सकती थी, लेकिन आरोपी छह महीने में दुकान खाली करने का दबाव बनाते हुए अरविंद को प्रता?ित करने और उससे मारपीट भी की थी। छह लाख रुपए का लोन होने और दुकान खाली कराने का दबाव बनाने के कारण अरविंद ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी।

सराफा कारोबारी के घर से नगदी जेवरात समेत एक्टिवा चोरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

टीटी नगर थाना क्षेत्र स्थित हर्षवर्धन नगर में सांईधाम मंदिर के पास सराफा व्यापारी के सूने मकान को निशाना बनाकर बदमाशों ने ताला तोड़ लिया। बदमाश उनके घर से पचास हजार रुपए की नगदी, पुराने इस्तेमाली जेवरात समेत स्कूटर चुराकर ले गए। व्यापारी के घर से कुल कितना सोना गया है यह जानकारी पत्नी के दिल्ली से लौटने के बाद हो सकेगी। पुलिस ने नकबजनी का मामला दर्ज कर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 44 साल के अभिषेक जैन, सांईधाम मंदिर के पास हर्षवर्धन नगर में रहते हैं। उनकी सराफा बाजार में ज्वैलरी शॉप है। उनके माता-पिता सराफा मार्केट में ही रहते हैं। यहां अभिषेक पत्नी के साथ रहते हैं। गत 17 मई को उनकी पत्नी दिल्ली में रहने वाली अपनी बहन के घर गई हुई हैं। अभिषेक दुकान पर गए थे और वहीं माता पिता के घर रुक गए। वहां से रविवार सुबह अपने घर पहुंचे तो मुख्य गेट पर लगा ताला टूटा मिला। वे अंदर पहुंचे तो पता चला कि बदमाशों ने अलामारी का लॉकर तोड़ लिया है। बदमाश उनके घर से पचास हजार रुपए की नगदी समेत लॉकर में रखे सोने चांदी के जेवरात ले गए है। बदमाशों के हाथ घर के पोर्च में खड़ी एक्टिवा की चाबी लग गई थी और बदमाश एक्टिवा भी चुराकर ले गए हैं।

घायल युवक की अस्पताल में मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो। मिसरोद इलाके में अज्ञात वाहन की टक्कर से घायल हुए युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। इस हादसे में घायल उसके साथी का इलाज चल रहा है। मंडीदीप से मर्ग डायरी आने के बाद पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक राजकुमार अहिरवार मंडीदीप का रहने वाला था। बीती पंद्रह मई को वह अपने दोस्त आशीष के साथ भोपाल से मंडीदीप की तरफ जा रहा था। मिसरोद स्थित इंडस टाउन पेट्रोल पंप के पास अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे दोनों घायल हो गए थे। गंभीर रूप से घायल राजकुमार को पहले पास के निजी अस्पताल ले जाया गया और बाद में मंडीदीप स्थित शासकीय अस्पताल पहुंचाया गया। यहां डॉक्टरों ने राजकुमार को मृत घोषित कर दिया। मंडीदीप पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पीएम कराने के बाद लाश परिजन को सौंप दी थी।

ट्रेन की चपेट में आकर अधेड़ व्यक्ति की मौत

छोला मंदिर इलाके में ट्रेन की चपेट में आकर एक अधेड़ व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद लाश परिजन को सौंप दी है। पुलिस के मुताबिक प्रमोद प्रजापति पुरुषोतम नगर सेमरा मे रहता था और मजदूरी करता था। शनिवार सुबह वह काम पर जाने का कहकर घर से निकला था। दोपहर करीब ढाई बजे भानपुर ब्रिज स्थित रेलवे पटरी से उसकी लाश बरामद हुई। रेलवे के पाइंट्समैन से मिली सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव बरामद कर पीएम के लिए भेजा। मृतक के पास मिले दस्तावेजों से परिवार वालों से संपर्क किया गया। प्रारंभिक पूछताछ में मामला खुदकुशी का बताया है, लेकिन सही कारणों का खुलासा जांच के बाद ही हो पाएगा।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया** **संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022